राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, मंगलवार , 02 जून 2026
वर्ष 14, अंक 53, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

यूपी में फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने पर पावर कॉरपोरेशन का विरोध...03

'सिर्फ भारत ने ही नहीं, नेपाल ने भी जमीन पर कब्जा किया'...04

नीट-यूजी परीक्षा पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, ओएमआर शीट से ही होगी परीक्षा

● सीबीटी की मांग खारिज

● नीट-यूजी री-टेस्ट इस साल पेन-पेपर मोड से ही होगा. सुप्रीम कोर्ट ने कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) की याचिका खारिज की. जानिए हज़्ज़ का अगला प्लान.

ब्यूरो प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उ याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया जिसमें 21 जून को होने वाले राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (NEET)-यूजी 2026 के री-टेस्ट को मौजूदा पेन एंड पेपर फॉर्मेट के बजाय कंप्यूटर आधारित टेस्ट (CBT) मोड से कराने की मांग की गई थी. कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जुलाई में तय की है।

यह मामला जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और अरविंद कुमार की बेंच के सामने सुनवाई के लिए आया. शुरू में ही बेंच ने याचिकाकर्ता के वकील को साफ कर दिया कि वह इस अर्जी पर सुनवाई करने के लिए तैयार नहीं है।

नीट-यूजी परीक्षा को लेकर चल रहे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें नीट-यूजी परीक्षा को तत्काल कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) यानी ऑनलाइन मोड में आयोजित करने की मांग की गई थी। इसके साथ ही साफ हो गया है कि इस साल होने वाली नीट-यूजी री-टेस्ट परीक्षा पुराने पेन-पेपर मोड यानी ओएमआर शीट के माध्यम से ही आयोजित की जाएगी।

नीट परीक्षा को पूरी तरह सुरक्षित और पेपर लीक से मुक्त बनाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। यह याचिका आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता अनुभव गर्ग, आईएमए के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. ध्रुव चौहान और राजनीतिक नेता हरिशरण देवगन की ओर से दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए तत्काल कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट फ्रेमवर्क लागू किया जाना चाहिए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया और मौजूदा व्यवस्था को बरकरार रखा।

सुनवाई के दौरान नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में स्पष्ट किया कि वह अगले साल से नीट परीक्षा को कंप्यूटर बेस्ड मॉडल पर ले जाने की दिशा में तैयारी कर रही है। इससे संकेत मिलते हैं कि भविष्य में देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा का स्वरूप बदल सकता है, लेकिन फिलहाल इस साल की परीक्षा पुराने पेन-पेपर मोड में ही होगी।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट लगातार निगरानी बनाए हुए है। पिछले सप्ताह कोर्ट ने इस मामले में एनटीए और

शिक्षा मंत्रालय से विस्तृत जवाब भी मांगा था। परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवालों के बीच केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं और छात्रों के भविष्य से किसी तरह का समझौता नहीं होने दिया जाएगा। नीट परीक्षा की विश्वसनीयता को लेकर चल रही बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने फिलहाल इस साल की परीक्षा प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। वहीं, अगले साल से संभावित CBT मॉडल को लेकर अब सभी की निगाहें एनटीए की तैयारियों पर टिकी रहेंगी।

29 मई को, सुप्रीम कोर्ट ने पेपर लीक की वजह से नीट-यूजी 2026 के कैंसिल होने को 'ट्रॉमेटिक' बताया, और कहा कि यह बहुत ज़्यादा भावनाओं और उम्मीदों का इन्वेस्टमेंट है, साथ ही लीक के बारे में कई सवाल भी पूछे। सुप्रीम कोर्ट ने जोर देकर कहा कि जवाबदेही आवश्यक है - जिम्मेदारी पहचाने जाने योग्य व्यक्तियों द्वारा उठाई जानी चाहिए और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) से संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) से सीखने का आग्रह किया, जिसने कभी ऐसे उल्लंघन का सामना नहीं किया है. सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि प्रधानमंत्री खुद नीट पेपर लीक मामले की निगरानी कर रहे हैं ताकि कोई कमी न रहे।

सरकार और कोर्ट सख्त, पीएम मोदी की नजर

नीट पेपर लीक मामले पर सुप्रीम कोर्ट लगातार निगरानी रख रहा है. आपको बता दें कि पिछले हफ्ते ही कोर्ट ने एनटीए और शिक्षा मंत्रालय से पेपर लीक पर विस्तृत जवाब मांगा था. केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इस पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और छात्रों के भविष्य से कोई समझौता नहीं होने दिया जाएगा।

IPL का रोमांच बना मातम! मैच देखते हुए कर रहा था ड्राइविंग, कुएं में जा गिरी थार; युवक की मौत

IPL फाइनल मैच का रोमांच एक परिवार के लिए गहरे दुख का कारण बन गया. तेलंगाना के जगत्याला जिले में मोबाइल फोन पर मैच देखते हुए गाड़ी चलाने के दौरान हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. इस घटना ने इलाके में लोगों को झकझोर दिया और सड़क सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

कुएं में जा गिरी तेज रफ्तार थार यह हादसा जगत्याला ग्रामीण मंडल के मोरापल्ली गांव के बाहरी इलाके में हुआ. निवेश, अश्विन और अरुण नाम के तीन युवक थार गाड़ी में सफर कर रहे थे. बताया जा रहा है कि उस समय मोबाइल फोन पर आईपीएल फाइनल मैच चल रहा था. गाड़ी चला रहे अरुण का ध्यान सड़क की बजाय मोबाइल स्क्रीन पर था. इसी दौरान उसने गाड़ी से नियंत्रण खो दिया और तेज रफ्तार थार सड़क किनारे बने एक कुएं में जा गिरी हादसे के बाद गाड़ी कुएं में पलट गई. गाड़ी में सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद किसी तरह खिड़कियां तोड़कर बाहर निकलने में सफल रहे. हालांकि, ड्राइवर अरुण सीट बेल्ट लगाए हुए था और समय रहते बाहर नहीं निकल सका. पानी में डूबने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई. सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे. करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद शव और वाहन को कुएं से बाहर निकाला गया। **IPL की जीत के बाद सड़कों पर उतरे प्रशंसक** दूसरी ओर, IPL फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की जीत के बाद तेलुगु भाषी राज्यों में प्रशंसकों का उत्साह चरम पर दिखाई दिया. हैदराबाद में बड़ी संख्या में IPL समर्थक देर रात सड़कों पर उतर आए. बाइक रैलियां निकाली गईं और नारेबाजी के कारण कई इलाकों में यातायात प्रभावित हुआ. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा।

SIR के लिए चुनाव आयोग का तीसरा चरण शुरू, इन राज्यों में चलेगा घर-घर अभियान

» भारत निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण (SIR) का तीसरा चरण शुरू किया है. ओडिशा, मिजोरम, सिकिम और मणिपुर में 30 मई 2026 से घर-घर सत्यापन जारी है. इसका उद्देश्य योग्य नागरिकों को सूची में शामिल करना और अयोग्य को हटाना है

भारत निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची की विशेष जांच (SIR) के तीसरे चरण की शुरुआत कर दी है. इसी के तहत ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में 30 मई 2026 से मतदाताओं की गिनती और सत्यापन का काम शुरू हो गया है। यह प्रक्रिया संविधान और चुनाव कानूनों के तहत की जा रही है. इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रहे और कोई अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में शामिल न हो।

निर्वाचन आयोग के 14 मई 2026 के आदेश के अनुसार इन चार राज्यों में यह अभियान चल रहा है. बूथ स्तर के अधिकारी (BLO) घर-घर जाकर सभी मौजूदा मतदाताओं को फॉर्म दे रहे हैं. मतदाता इन फॉर्मों को भरकर BLO के जरिए या ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

जिन लोगों के फॉर्म 28 जून 2026 तक चुनाव अधिकारी (ERO) के पास पहुंच जाएंगे, उनके नाम मसौदा वोटर लिस्ट में शामिल किए जाएंगे. जो लोग इस तारीख तक फॉर्म जमा नहीं कर पाएंगे, वे बाद में दावा और आपत्ति अवधि के दौरान फॉर्म-6 और घोषणा पत्र के जरिए आवेदन कर सकते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका

प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी और लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए आयोग ने राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (BLA) को भी फॉर्म जमा करने की अनुमति दी है. प्रत्येक BLA रोजाना अधिकतम 50 फॉर्म लोगों से लेकर जमा कर सकता है राष्ट्रीय और राज्य स्तर के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल जरूरत पड़ने पर और अधिक BLA नियुक्त कर सकते हैं।

घर-घर सर्वे के दौरान BLA के पास कम से कम 30 खाली फॉर्म-6 और घोषणा पत्र होना जरूरी है. इससे नए मतदाता बनने के इच्छुक लोगों को तुरंत फॉर्म दिए जा सकेंगे

राज्यों के अनुसार आंकड़े

ओडिशा
मतदाताः 3,34,14,856 BLO: 38,123 BLA: 8,391

मिजोरम
मतदाताः 8,75,008 BLO: 1,353 BLA: 3,430

सिक्किम
मतदाताः 4,71,077 BLO: 572 BLA: 681

मणिपुर
मतदाताः 20,92,140 BLO: 2,996 BLA: 5,003

निर्वाचन आयोग ने सभी योग्य मतदाताओं से इस अभियान में हिस्सा लेने और घर-घर आने वाले चुनाव अधिकारियों को पूरा सहयोग देने की अपील की है।

संक्षिप्त ख़बरें

गिट्टी लादकर जा रहा ट्रेलर अनियंत्रित होकर नेशनल हाईवे पर पलटा,बाल बाल बचा चालक

मीरजापुर। ड्रमंडगंज क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित लहुरियादह गांव में टाइगर प्वाइंट के पास रविवार सुबह गिट्टी लादकर मीरजापुर की ओर जा रहा ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया। संयोग ठीक था कि हादसे में ट्रेलर चालक बाल बाल बच गया। मध्यप्रदेश से गिट्टी लादकर मीरजापुर की ओर जा रहा ट्रेलर जैसे ही लहुरियादह गांव में टाइगर प्वाइंट के आगे पहुंचा तो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। घटना में 30 वर्षीय ट्रेलर चालक संजय निवासी लहुरियादह बाल बाल बच गया। सूचना पर पहुंचे एसआई सुभाष यादव हेड कांस्टेबल घनश्याम यादव ने घटना की जांच की।ट्रेलर पलटने से एक लेन से आवागमन बाधित हो गया है। वाहन मध्यप्रदेश की ओर जाने वाले लेन से आवागमन कर रहे हैं।एसआई सुभाष यादव ने बताया कि लहुरियादह गांव में हाइवे पर गिट्टी लदे ट्रेलर के पलटने से एक लेन से आवागमन बाधित हो गया है।पलटे ट्रेलर को हटवाने के एनएचएआई और ट्रेलर मालिक को सूचित कर दिया गया है। जल्द ही पलटे ट्रेलर को हटा दिया जाएगा। एक लेन से वाहनों का आवागमन हो रहा है।

'किसी को घड़ी से पहचाना तो किसी को आवाज से...', साकेत हादसे में छात्रों ने बयां किया दर्द

नई दिल्ली। वेस्ट इंड मार्ग पर शनिवार की शाम आम दिनों की तरह ही चहल-पहल से भरी थी। कोचिंग में छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे, तो कैंटीन में कोई चाय पी रहा था तो कोई मित्र से मिलने आया था। लेकिन, तभी एक ऐसा भयानक शोर, जिससे सैदुलाजाब इलाका दहल उठा। उसने सब कुछ तबाह कर दिया। पल भर में ही चीख-पुकार मच गई और आसमान में धूल का ऐसा गुबार छाया कि कुछ भी दिखाई देना बंद हो गया। नोएडा के जलवायु विहार से मित्रों से मिलने आए क्षितिज प्रताप ने उस खौफनाक मंजर को याद करते हुए बताते हैं कि वह कैंटीन में बैठकर अपने मित्रों के आने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कैंटीन संचालिका को मैगी बनाने का आर्डर दिया था। तभी पहले बिल्डिंग से हल्का प्लास्टर झड़ने लगा और हल्की कंपन हुई, जिसके बाद कैंटीन में बैठे लगभग 20- 25 छात्रों बाहर चीखते हुए भागने लगे। वह भी बाहर की ओर भागे, तब तक इमारत भरभराकर गिर गई और वह मलबे के नीचे दब गए।

CBSE की सुरक्षा प्रणाली में बड़ी सेंध, 19 वर्षीय हैकर का दावा- इंटरनेट पर लीक हुई 18 लाख से अधिक छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। सीबीएसई की आन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली से जुड़ी उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षा को लेकर किए जा रहे दावे अब नए सवालों के घेरे में आ गए हैं। अब तक विवाद धुंधली स्कैन कापियों, मूल्यांकन संबंधी शिकायतों और पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया तक सीमित था, लेकिन अब 18 लाख से अधिक छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं और परीक्षा संबंधी डाटा इंटरनेट पर प्रसारित होने के बाद कापियों की गोपनीयता को लेकर चिंता बढ़ा गई है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन स्कैन उत्तर पुस्तिकाओं की प्रति प्राप्त करने के लिए छात्र 100 रुपये प्रति कापी का शुल्क देकर आवेदन कर रहे थे वो स्कैन प्रतियां इंटरनेट पर बिना अनुमति निश्शुल्क उपलब्ध थीं, जिन्हें कोई भी डाउनलोड कर सकता था। 19 वर्षीय छात्र और स्वयं को हैकर बताने वाले निसर्ग अधिकारी ने दावा किया है कि एडब्ल्यूएस (एडब्ल्यूएस) स्टोरेज बकेट की कॉन्फिगरेशन में कमी के कारण कोई भी व्यक्ति बिना किसी प्रमाणीकरण के स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं तक पहुंच सकता था।

निसर्ग ने इंटरनेट मीडिया पर इससे जुड़ा वीडियो अपलोड कर दावा किया कि संबंधित स्टोरेज में वर्ष 2026 की स्कैन उत्तर पुस्तिकाएं, प्रश्नपत्र और अन्य परीक्षा सामग्री मौजूद थी। उसका दावा है कि एक ही स्टोरेज ढांचे का उपयोग विभिन्न संस्थानों द्वारा किया जा रहा था, जिससे डाटा सुरक्षा का जोखिम और बढ़ जाता है। उसके द्वारा साझा स्क्रीनशाट में बड़ी संख्या में स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं की फाइलें दिखाई दे रही हैं। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ दिन पहले ही सीबीएसई ने इन आरोपों को भ्रामक बताते हुए खारिज किया था। बोर्ड का दावा था कि इंटरनेट मीडिया पर जिस पोर्टल और डाटा का उल्लेख किया जा रहा है, वह केवल परीक्षण (टेस्टिंग) वातावरण से जुड़ा था, जिसमें नमूना डाटा रखा गया था। बोर्ड के अनुसार वास्तविक मूल्यांकन प्रणाली अलग है और उसमें किसी प्रकार की सुरक्षा सेंध नहीं लगी है।

स्कैन तस्वीरों में मुड़ी छाया वाली और हाथ रखी कापियां

अब कापियों की गोपनीयता ही नहीं, बल्कि स्कैनिंग प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं। कई प्रतियों में कागज की सिलवटें, किनारों पर

छाया (ड्राप शैडो) और तस्वीर जैसी बनावट दिखाई दे रही है। यहां तक कि एक पन्ने पर किसी व्यक्ति का हाथ भी दिखाई दिया। इसके बाद छात्रों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि यदि उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग उच्च गुणवत्ता वाले स्कैनरों से की गई थी, तो प्रतियों में इस प्रकार की दृश्य खामियां क्यों दिखाई दे रही हैं। निसर्ग ने हाल ही में एक वीडियो भी साझा किया था, जिसमें सीबीएसई से जुड़े एक पोर्टल पर वायरल बैड एप्पल एनीमेशन चलता दिखाई दिया। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा संदेश आमतौर पर तब दिखाया जाता है जब कोई व्यक्ति यह दावा करता है कि उसने डाटाबेस आधारित कमजोरी का फायदा उठाकर किसी प्रणाली तक पहुंच बनाई है। निसर्ग का आरोप है कि उसने पहले भी कई सुरक्षा कमजोरियों की जानकारी संबंधित एजेंसियों को दी थी।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा करोडो का नाला, मनोनीत सभासदों में आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर। नगर पालिका परिषद अहरौरा के नई बाजार वार्ड मे पानी निकासी की समस्या के समाधान के लिए करोड़ों की लागत से नाला का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन मानक के विपरीत डाला गिट्टी की जगह लोकल गिट्टी डालकर ढलाई की जा रही है। कंक्रीट रेशियो भी ठीक ढंग से ना मिलाएं जाने के कारण नाले का गिट्टी हल्का सा छूने पर भी गिर रहा है। राज्यपाल द्वारा मनोनीत सभासदो द्वारा संज्ञान में आने पर उग्र विरोध किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस का दावा अहरौरा नगर मे हवा हवाई नजर आ रहा है।

नगर पालिका अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी की चुप्पी एक अलग कहानी बयान कर रही है। स्थानीय सभासद सहित कई अन्य सभासदो ने इस पर आक्रोश जताया है। जिम्मेदार अधिकारियों से बात करने पर सभासदों को सांत्वना मिला कि,हा यह सच है कि घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है, फिलहाल काम रोक दिया गया है, ठेकेदार को नोटिस जारी किया जाएगा । लेकिन यक्ष प्रश्न यह है की क्या मानक में सुधार होता है या फिर टेबल के नीचे से समझौता।

नरेला के घर में युवक की संदिग्ध मौत, बदबू आने के बाद सामने आया मामला

बाहरी दिल्ली। नरेला औद्योगिक क्षेत्र थाना इलाके के एक युवक की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने घर से युवक का शव का बरामद किया। कई दिनों तक घर का दरवाजा नहीं खुला। तो घर से बदबू आने लगी। जिसके बाद पुलिस ने दरवाजा तोड़कर युवक का शव बरामद किया। रविवार को स्वर्ण जयंती कालोनी के एक घर में शव मिलने से हड़कंप मच गया। बदबू आने पर लोगों ने दरवाजा खटखटाया। लेकिन दरवाजा नहीं खुला। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची और दमकल विभाग को भी बुलाया गया। घर का दरवाजा तोड़कर देखा गया। तो शव बेड पर पड़ा हुआ था। पुलिस ने विभिन्न सबूतों को इकट्ठा कर शव को पोस्टपार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान 33 वर्षीय विक्रम के रूप में हुई है। जो 12 वर्षो किराए के मकान में रह रहा था और फैक्ट्री में काम करता था। पड़ोसी अशोक कुमार ने बताया कि मृतक की पत्नी किसी ओर के साथ घर छोड़कर चली गई थी। जिसके जाने के बाद मृतक परेशान चल रहा था। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुटी हुई है।

जारी रहेगा शालीमार बाग में अवैध निर्माण हटाने का काम, सर्वोच्च न्यायालय का फैसला

● दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई जारी है. डीएम एस.एस. परिहार ने बताया कि यह कार्रवाई 30 मीटर राइट ऑफ वे में से 10.5 मीटर अतिक्रमित क्षेत्र में की जा रही है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में डिमोलिशन की कार्रवाई को लेकर मध्य-उत्तर जिला के जिलाधिकारी एस.एस. परिहार ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखने के बाद रविवार सुबह से शालीमार बाग स्थित गांव हैदरपुर क्षेत्र में रोड नंबर-320 के निर्धारित राइट ऑफ वे के भीतर बने अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई. प्रशासन ने साफ किया है कि यह कार्रवाई तब तक जारी रहेगी, जब तक निर्धारित क्षेत्र में स्थित सभी अवैध संरचनाओं (स्ट्रक्चर्स) को हटाकर सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए भूमि उपलब्ध नहीं करा दी जाती। मध्य-उत्तर जिला के जिलाधिकारी (डीएम) एस.एस. परिहार ने बताया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेशबुलेंस, अग्निशमन वाहनों तथा अन्य आपातकालीन सेवाओं को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

जुलाई 1980 में हुआ था कब्जा

डीएम के मुताबिक संबंधित भूमि का अधिग्रहण दिल्ली के नियोजित विकास के लिए वर्ष 1959 और 1961 की अधिसूचनाओं के माध्यम सड़क शालीमार बाग रेलवे अंडर ब्रिज (RUB) को आउटर रिंग रोड से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण यातायात गलियारे का हिस्सा है। यह मार्ग रिंग रोड, आजादपुर, शालीमार बाग तथा आसपास के बड़े आवासीय, व्यावसायिक एवं संस्थागत क्षेत्रों को जोड़ता है. इसके माध्यम से अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों और विकसित हो रहे प्रशासनिक परिसरों तक पहुंच सुनिश्चित होती है. उन्होंने कहा कि सड़क की वर्तमान चौड़ाई अतिक्रमणों के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुई है, जिससे नियमित यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न होती है और एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहनों तथा अन्य आपातकालीन सेवाओं को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

जुलाई 1980 में हुआ था कब्जा

डीएम के मुताबिक संबंधित भूमि का अधिग्रहण दिल्ली के नियोजित विकास के लिए वर्ष 1959 और 1961 की अधिसूचनाओं के माध्यम से प्रारंभ किया गया था. साल 1966 में भूमि अधिग्रहण की घोषणा जारी की गई तथा वर्ष 1980 में अवार्ड संख्या 40/1980-81 और 50/1980-81 घोषित किए गए. जुलाई 1980 में भूमि का कब्जा लिया गया तथा वर्ष 1981 में शेष मुआवजा राशि भी जमा करा दी गई. इस प्रकार भूमि अधिग्रहण व मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया चार दशक से अधिक समय पहले पूर्ण हो चुकी थी।

डीएम परिहार ने कहा कि वर्ष 2025 में डीडीए, राजस्व विभाग, भूमि एवं भवन विभाग तथा लोक निर्माण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से टोटल स्टेशन मेथड (टीएसएम) तकनीक से भूमि का वैज्ञानिक सीमांकन कराया गया. 10 जनवरी 2026 को किए गए संयुक्त सर्वेक्षण में पाया गया कि निर्धारित 30 मीटर राइट ऑफ वे के भीतर कुल 143 अनधिकृत पक्के निर्माण मौजूद हैं।

इनमें लगभग 19.5 मीटर क्षेत्र में मौजूदा सड़क है, जबकि लगभग 10.5 मीटर क्षेत्र अतिक्रमण के कारण अवरुद्ध है. उन्होंने बताया कि प्रशासन ने परियोजना के क्रियान्वयन में न्यूनतम हस्तक्षेप का सिद्धांत अपनाया है. यद्यपि स्वीकृत राइट ऑफ वे 30 मीटर है, फिर भी वर्तमान चरण में केवल आवश्यक 10.5 मीटर क्षेत्र में ही कार्रवाई की जा रही है, ताकि अधिकतम संख्या में संरचनाओं को बचाया जा सके और जनहित तथा न्यूनतम विस्थापन के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके।

आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए जारी किया नोटिस

डीएम ने जानकारी दी कि जनवरी 2026 में सार्वजनिक नोटिस जारी कर प्रभावित व्यक्तियों से आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं. नोटिस प्रमुख समाचार पत्रों में भी प्रकाशित किए गए। सभी आपत्तियों पर विचार करने के बाद भूमि अधिग्रहण कलेक्टर द्वारा 20 मार्च 2026 को आदेश पारित किया गया. उन्होंने कहा कि इसके पश्चात कुछ निवासियों द्वारा दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर भूमि अधिग्रहण को वर्ष 2013 के कानून की धारा 24(2) के अंतर्गत समाप्त घोषित करने तथा प्रशासनिक कार्रवाई को चुनौती देने का प्रयास किया गया. न्यायालय के समक्ष सरकार ने रिकॉर्ड प्रस्तुत किया कि भूमि का अधिग्रहण वैध रूप से पूरा हो चुका है, मुआवजा जमा कराया जा चुका है तथा कब्जा भी लिया जा चुका है।

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को रखा बरकरार

डीएम ने बताया कि 6 अप्रैल 2026 को दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं के पास पूर्व-अधिग्रहण स्वामित्व के वैध दस्तावेज नहीं हैं, भूमि का अधिग्रहण वैध है तथा सार्वजनिक महत्व की सड़क परियोजना को रोका नहीं जा सकता। इसके बाद 18 मई 2026 को पुनर्विचार याचिका भी खारिज कर दी गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर की. 29 मई 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय में मामले की सुनवाई हुई और न्यायालय ने विशेष अनुमति याचिका खारिज करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा. इसके साथ ही प्रशासन के पक्ष को अंतिम न्यायिक स्वीकृति प्राप्त हो गई।

डीएम एस.एस. परिहार ने कहा कि दिल्ली सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रभावित पात्र परिवारों के लिए विशेष सहायता पैकेज भी घोषित किया है. इसके अंतर्गत प्रत्येक पात्र परिवार अथवा इकाई को 3 लाख रुपये की एकमुश्त एक्स-ग्रेशिया सहायता प्रदान की जाएगी. इसके अतिरिक्त जिन परिवारों के पास दिल्ली में कोई वैकल्पिक आवास उपलब्ध नहीं है, उन्हें सावदा घेवरा स्थित आवासीय इकाइयों में 11 माह तक लाइसेंस आधारित अस्थायी आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

क्या है प्रशासन का उद्देश्य?

उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य एक ओर न्यायालय के आदेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करना है, वहीं दूसरी ओर प्रभावित परिवारों को यथासंभव सहायता प्रदान करना भी है. उन्होंने कहा कि रोड नंबर-320 का चौड़ीकरण राजधानी की एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक अवसंरचना परियोजना है, जिसके पूरा होने से यातायात व्यवस्था में सुधार, आपातकालीन सेवाओं की सुगम आवाजाही तथा क्षेत्र के लाखों लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी।

यह बर्बरता भरी जहरीली मानसिकता कहां से जन्म लेती है?

देश के कई इलाकों में जिस तरह की सांप्रदायिक नफरत और प्रतिशोध से भरी वारदातें सामने आती हैं उस से लगता है कि इन वारदातों के पीछे कोई ऐसी पूरी सुनियोजित साजिश रहती है जो नफरत और खूनी दरिंदगी भरी मानसिकता का बीजारोपण करती है पिछले कुछ समय में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और इस से सटे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में ऐसी कई बर्बरता भरी वारदातों को अंजाम दिया जा चुका है जिनसे लगता है कि कानूनी सख्ती के बावजूद दरिंदों में पुलिस और कानून का रंचमात्र भय नहीं है। ताज़ा घटनाक्रम में गाजियाबाद से एक बेहद सनसनीखेज और कलेजा कँपा देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ खोड़ा थाना क्षेत्र में बकरीद के दिन एक 17 वर्षीय हिंदू किशोर, सूर्या चौहान की उसके ही पूर्व परिचित मुस्लिम दोस्तों ने बेरहमी से चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने से ठीक पहले कट्टरपंथी हमलावरों ने पीड़ित से पूछा, 'क्या तुमने कभी बकरा हलाल होते देखा है? आज तुझे दिखाते हैं। '

आरोप है कि यह कहते ही उन्होंने सूर्या पर ताबड़तोड़ चाकुओं से हमला कर दिया। नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में इलाज के दौरान तड़प-तड़प कर इस हिंदू लड़के ने दम तोड़ दिया। पुलिस की प्राथमिकी इस पूरी खौफनाक साजिश की गवाही दे रही है। पुलिस ने रविवार के तड़के मुख्य आरोपी असद को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है इस से पहले 3 नामजद आरोपितों को गिरफ्तार किया और 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। आपको बता दें मृतक सूर्या चौहान मूल रूप से एटा का रहने वाला था। वह नवनीत विहार, खोड़ा में अपनी माँ, बड़े भाई यश चौहान और छोटी बहन के साथ रहता था। उसके पिता कौशलेंद्र की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। सूर्या 11वीं कक्षा का छात्र था। जानकारी के मुताबिक, करीब 8 महीने पहले सूर्या का पड़ोस में रहने वाले असद नाम के युवक से किसी बात पर मामूली विवाद हुआ था। इसी पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए असद ने बकरीद के पवित्र दिन को चुना। 28 मई की दोपहर को असद ने सूर्या को फोन किया। उसने सूर्या को बकरीद की पार्टी के बहाने मिलने के लिए चौधरी स्कूल के पास वाली गली नंबर 2 में बुलाया।

सूर्या अपने दोस्त आयुष और विक्की के साथ असद से मिलने पहुँचा था। विक्की और आयुष ने आँखों देखा हाल बताते हुए बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया। विक्की ने बताया कि जैसे ही वे गली में पहुँचे, वहाँ पहले से ही असद, नवाब, फरहान, आतिफ और सारिक समेत 5 से 6 मुस्लिम युवक हथियारों के साथ घात लगाकर बैठे थे बताया जा रहा है कि आते ही उन्होंने सूर्या को चारों तरफ से दबोच लिया। इसके बाद उन्होंने सांप्रदायिक और हिंसक टिप्पणी करते हुए पूछा कि क्या कभी बकरा हलाल होते देखा है? चश्मदीदों के मुताबिक, आरोपितों ने चिल्लाते हुए कहा कि आज बकरीद है और आज कुर्बानी इस हिंदू लड़के की देंगे। यह कहते ही सभी आरोपितों ने सूर्या पर बड़े चाकुओं से हमला बोल दिया। उन्होंने सूर्या के पेट, सीने और शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ कई वार किए। हमला इतना बर्बर था कि चाकुओं की गोदने की वजह से सूर्या की आंतें तक बाहर आ गई।मौके पर चीख-पुकार और शोर मच गया। शोर सुनकर पास ही मौजूद सूर्या का भाई यश चौहान और उसकी माँ दौड़ते हुए घटना स्थल की तरफ भागे। परिजनों को अपनी तरफ आता देख सभी मुस्लिम हमलावर खून से लथपथ सूर्या को तड़पता हुआ छोड़कर मौके से फरार हो गएपरिजन आनन-फानन में गंभीर रूप से घायल सूर्या को नोएडा के सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल लेकर पहुँचे। वहाँ डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद अगले दिन यानी 29 मई को दोपहर करीब 12 बजे सूर्या ने दम तोड़ दिया। सूर्या की मौत की खबर जैसे ही खोड़ा इलाके में फैली, वहाँ भारी रोष और सांप्रदायिक तनाव की स्थिति बन गई।

पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वे बार-बार अपने बेटे को याद कर इंसाफ की गुहार लगा रहे हैं। खोड़ा नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष रीना भाटी और विभिन्न हिंदू संगठनों के लोग तुरंत मौके पर जमा हो गए मृतक के भाई यश चौहान द्वारा दी गई तहरीर जानलेवा हमला कर हत्या करने के प्रयास के संबंध में दर्ज कराई गई थी। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि 28 मई को दोपहर करीब 3:30 बजे शिकायतकर्ता का भाई सूर्या अपने दोस्त आयुष (पुत्र मनोज भारती, निवासी नवनीत विहार, खोड़ा) के साथ जा रहा था। तभी खोड़ा की शर्मा डेरी वाली गली में लोकप्रिय विहार का रहने वाला अशद (पुत्र नवाब) मिला। अशद ने अचानक सूर्या के साथ गाली-गलौज करते हुए झगड़ा शुरू कर दिया और फिर जान से मारने की नीयत से उसके पेट में चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस जानलेवा हमले में सूर्या गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे इलाज के लिए नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित पक्ष ने पुलिस से इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की माँग की है।

घटना स्थल पर मौजूद हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं में इस हत्या को लेकर गहरा आक्रोश है। उन्होंने योगी सरकार और स्थानीय प्रशासन से माँग की है कि सभी फरार आरोपितों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए। हिंदू समाज का कहना है कि यह केवल दो गुटों की लड़ाई नहीं, बल्कि बहुसंख्यक समाज की सुरक्षा पर सीधा प्रहार है। विभिन्न संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि मुख्य आरोपित असद समेत सभी दोषियों के घरों पर तुरंत बुलडोजर नहीं चलाया गया और उन्हें सख्त सजा नहीं मिली, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। फिलहाल पुलिस स्थिति को नियंत्रण में बता रही है और मुख्य आरोपित की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

आपको बता दें कि यूपी के गाजियाबाद और इस से सटे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों में हत्या के कुछ हालिया मामलों में मुस्लिम समुदाय से जुड़े आरोपियों के नाम सामने आए हैं। हालांकि, पुलिस जांच और आधिकारिक रिपोर्टों में इन घटनाओं को सुनियोजित या समुदाय-विशिष्ट घृणा के बजाय मुख्य रूप से आकस्मिक विवादों, पुरानी दुश्मनी या आपसी रंजिश का परिणाम बताया गया है।आपको दो माह पहले जेजे कालोनी उत्तम नगर की नृशंसता भी बरबस याद होगी यहां हिन्दू त्योहार होली के दिन रंग-बिरंगे पानी के छींटे पड़ने और गुब्बारा लगने को लेकर दो समुदाय से जुड़े परिवारों के बीच विवाद हुआ था। इस घटना में 26 वर्षीय तरुण कुमार की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसी दिन यानि होली के दिन ही सिगरेट के विवाद में सूरज नामक 26 वर्षीय हिंदू युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में सादिक नामक आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई की। और अब दिल्ली से सटे गाजियाबाद में बकरीद के दिन एक 16 वर्षीय छात्र सूर्या चौहान की उसके ही परिचित दोस्त अशद ने साथियों के साथ मिलकर चाकू गोदकर हत्या कर दी गई है। यकीनन मौजूदा वारदात नाबालिग में लड़के सूर्या की बकरीद के दिन जिस तरह आतातायी हमलावरों ने हत्या की है वह अराजक व कम्युनल अपराधियों के बढ़ते हौसले का सबूत है घटना पर दुख जताते हुए और पुलिस की निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए मृतक की मां ने कहा, 'मैं घर पर नहीं थी, ड्यूटी पर थी। किसी ने मुझे फोन करके बताया कि मेरे बेटे को चाकू मार दिया गया है। जब मैं आई, तो मैंने शाम 7 बजे के करीब अपने बेटे का चेहरा देखा। मुझे इंसाफ़ चाहिए।

एक न्यूज रिपोर्ट के अनुसार अस्पताल पहुंचने के बाद जो कुछ देखा, उसे याद करते हुए मृतक की मौसी सुनीता ने कहा, 'मैं सबसे पहले अस्पताल गई थी। मैंने उन्हें वहां देखा। वे यह साबित करना चाहते थे कि पहले बकरे की कुर्बानी दी और अब वे इंसान की कुर्बानी देंगे। बकरीद के दिन मेरे बच्चे को धोखे से घर से बुलाया गया। फिर उससे पूछा गया कि बकरा कैसे काटा जाता है। हिंदू बच्चों को ऐसी बातों के बारे में क्या पता? हमारे बच्चों ने कभी खून-खराबा नहीं देखा। वे क्या करते? यही कहते कि उन्होंने कभी नहीं देखा। फिर उसके पेट में चाकू घोंप दिया गया और उसकी जिंदगी वहीं खत्म हो गई। 'सवाल यह है कि इस तरह की दरिंदगी और बर्बरता की सोच को कौन उकसा रहा है? बकरीद से दो दिन पहले ही गाजियाबाद से सटे हापुड़ जनपद के पिलखुवा में एक शनिदेव प्रतिमा को एक समुदाय विशेष के एक जेहादी ने तोड़ दिया था जो सीसीटीवी कैमरे के जरिए मिले सबूत से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। इन दिनों सोशल मीडिया पर भी मनमानी घृणा और विद्वेष की बातें बहुलता से वायरल हो रहीं हैं यह एक स्वस्थ समाज की संरचना को तोड़ रहा है और परस्पर जहरीली सोच तैयार कर रहा है सरकार को गंभीरता से सख्त कदम उठाने चाहिए और इस जहर की फसल को बीजनाश करनी चाहिए।

मनोज कुमार अग्रवाल

हिंदी पत्रकारिता दिवस और आज तक पत्रकारिता का सफर

संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

हिंदी पत्रकारिता ने 200 साल का लंबा सफर तय किया है। पत्रकारिता सिर्फ खबरें पहुंचाने का माध्यम नहीं रही, बल्कि सामाजिक जागरूकता, जनमत निर्माण और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का औजार भी बनी। इसका एक सुनहरा सफर है जिसने समाज के लिए अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। इसकी वजह यह है कि इसी दिन 30 मई 1826 को कलकत्ता से हिंदी का पहला समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन शुरू हुआ था। इसे पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने शुरू किया था, जो खुद इसके प्रकाशक और संपादक थे। 'उदन्त मार्तण्ड' का अर्थ है 'उगता हुआ सूर्य' या 'समाचार सूर्य'। यह साप्ताहिक अखबार हर मंगलवार को निकलता था, इसकी भाषा ब्रज और खड़ी बोली का मिश्रण थी जिसे 'मध्यदेशीय भाषा' कहा जाता था। पहले अंक की 500 प्रतियां छपी थीं, लेकिन पाठकों की कमी और डाक दरों की महंगाई के कारण सिर्फ 79 अंक ही प्रकाशित हो सके। 4 दिसंबर 1827 को इसका प्रकाशन बंद हो गया।

हिंदी पत्रकारिता के बहुत लंबे इतिहास को हमने देखा है। एक तरफ 30 मई 1826 को उदन्त मार्तण्ड की शुरुआत हुई और वह दिन हिंदी पत्रकारिता की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक बन गया। वहीं दूसरी ओर आज नये युग की डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता को पूरी तरह से बदल दिया है। उदन्त मार्तण्ड से डिजिटल युग तक हिंदी पत्रकारिता का विकास का सफर बड़ा ही दिलचस्प सफ़र है। उदन्त मार्तण्ड के बाद भी संसाधनों की कमी और अंग्रेजी के दबदबे ने हिंदी पत्रकारिता को धीमा रखा। 'बनारस अखबार' 1845, 'सरस्वती', 'हरीशचंद्र पत्रिका' जैसे पत्रों ने गति दी। भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने 'कविवचन सुधा' 1867 और 'हरिश्चंद्र मैगजीन' 1873 से नई भाषा शैली और राष्ट्रीय चेतना को बढ़ावा दिया। स्वतंत्रता संग्राम के समय गणेश शंकर विद्यार्थी का कानपुर से प्रकाशित'प्रताप' और 'वीर भारत' जैसे पत्रों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनमत तैयार किया। कानपुर के प्रताप अखबार ने तो अंग्रेजी शासन की चूले हिला दीं थीं। प्रताप अंग्रजी शासन के दमन का साक्षी बना। स्वतंत्रता के बाद: 'दैनिक जागरण', 'अमर उजाला', 'दैनिक भास्कर', आज, हिन्दुस्तान ने हिंदी भाषी क्षेत्रों में अपनी मजबूत पकड़ बनाई। इस समय तक हिंदी पत्रकारिता का अच्छा खासा असर दिखाई पड़ने लगा था। फिर होती है डिजिटल युग की शुरुआत आज हिंदी पत्रकारिता समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, टीवी चैनलों और ऑनलाइन पोर्टलों के जरिए राजनीति, समाज, संस्कृति, खेल तक पहुंच रही है। डिजिटल क्रांति और हिंदी भाषी आबादी की विशालता ने इसे नई संभावनाएं दी हैं। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आज तक चैनल काफी लोकप्रिय रहा और हिंदी टीवी पत्रकारिता का मील का पत्थर साबित हुआ। जब 2000 के दशक की शुरुआत में 24 घंटे के हिंदी न्यूज चैनलों की बात होती है, तो आज तक का नाम सबसे ऊपर आता है। आज तक समाचार चैनल की संस्था टीवी टुडे नेटवर्क ने 28 दिसंबर 1999 को स्थापना की और 7 फरवरी 2000 को व्यवसाय शुरू किया। 2000 में आज तक को 24 घंटे के हिंदी न्यूज चैनल के रूप में लॉन्च किया गया। यह भारत से अपलिंक होने वाला पहला 24 घंटे का हिंदी न्यूज चैनल था।

हालांकि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने अखबार के अस्तित्व को थोड़ा कम किया लेकिन फिर भी अखबार अपनी जगह टिका हुआ है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आने से जो समाचार अखबारों के माध्यम से कल प्राप्त होते थे वे तुरंत जनता के सामने आने लगे। मीडिया ने'खबर मतलब आज तक' का टैगलाइन और बेबाक, बेधड़क पत्रकारिता ने इसे जल्दी ही दर्शकों का भरोसा दिलाया। 2001, 2002, 2003 में इसे इंडियन टेलीविजन अकादमी अवार्ड्स में बेस्ट न्यूज चैनल घोषित किया गया। मार्च 2003 में अंग्रेजी चैनल 'हेडलाइन्स टुडे', अगस्त 2005 में 24×7 हिंदी चैनल 'तेज' लॉन्च हुआ। आज तक ने 2017 के आसपास भारत का पहला हिंदी एचडी न्यूज चैनल आज तक एचडी लॉन्च किया। 2025 में इंडिया टुडे ग्रुप ने देश का पहला स्न्रस्न्र न्यूज चैनल ्रञ्जह्न 360 भी लॉन्च किया, जो कनेक्टेड टीवी पर 24×7 कवरेज देता है। आज तक की खासियत रही है तेज खबरें, ग्राउंड रिपोर्टिंग और दर्शकों से सीधा जुड़ाव। 20 साल पूरे होने पर भी चैनल ने कहा था कि 'दुनिया बदली, सियासत बदली, पर आज तक का अंदाज नहीं बदला'। हिंदी पत्रकारिता ने अंग्रेजी के दबदबे को तोड़कर अपनी जगह बनाई है। चुनौतियां अब भी हैं - विश्वसनीयता, फेक न्यूज, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर टिके रहना। लेकिन लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में इसकी भूमिका कम नहीं हुई है। आज जब हर हाथ में मोबाइल है, हिंदी पत्रकारिता गली से ग्लोब तक पहुंच रही है। उदन्त मार्तण्ड का 'उगता सूरज' आज डिजिटल स्क्रीन पर भी चमक रहा है।

गर्मी में प्यास, बारिश में सैलाब: विकास के मॉडल पर बड़ा सवाल

[21वीं सदी की क्रूर विडंबना: गर्मी में जल-मृत्यु, बारिश में जल-तांडव]

[जल संकट और जल प्रलय का दोहरा चक्र- अब कब तक चलेगी यह विडंबना?]

21 वीं सदी का भारत एक कड़वी विडंबना के दौर से गुजर रहा है। एक ओर देश अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहा है, तो दूसरी ओर करोड़ों लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए जूझ रहे हैं। वर्ष 2026 की भीषण गर्मी ने विकास की चमक के पीछे छिपी हकीकत उजागर कर दी है। कई क्षेत्रों में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस पार कर चुका है। बाड़मेर जैसे इलाकों में गांव एक हैंडपंप के सहारे हैं, महिलाएं मीलों दूर से पानी ला रही हैं और शहरों में दूषित जलापूर्ति को लेकर आक्रोश है। लेकिन कुछ ही सप्ताह बाद मानसून आते ही यही देश जल संकट से निकलकर जल प्रलय में घिर जाता है। सड़कें नदियां बन जाती हैं और जनजीवन थम जाता है। आखिर यह कैसा विकास है, जहां गर्मी में प्यास और बारिश में सैलाब नियति बन चुके हैं?

यह संकट प्रकृति नहीं, बल्कि विकास और जल प्रबंधन की उपेक्षा का परिणाम है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार अप्रैल 2026 में देश के 166 प्रमुख जलाशयों में जल भंडारण क्षमता का लगभग 39 प्रतिशत ही बचा था, जो मई में और घट गया। कई बड़े जलाशय आधी क्षमता से नीचे पहुंच गए। पिछले वर्षों में वर्षा के असमान वितरण, बढ़ती गर्मी और कमजोर जल प्रबंधन ने संकट को गहरा किया है। वहीं 2026 में एल-नीनो के प्रभाव से सामान्य से कम मानसून की आशंका है। दूसरी ओर भूजल का बेलगाम दोहन हालात और बिगाड़ रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहर जल संकट के साथ भूमि धंसाव जैसे खतरों का भी सामना कर रहे हैं। स्पष्ट है, यह केवल आज की नहीं, भविष्य की भी गंभीर चुनौती है। इस संकट की जड़ अंधाधुंध शहरीकरण है, जिसने प्रकृति और पानी का संतुलन तोड़ दिया है। कभी तालाब, झीलें और आर्द्रभूमियां वर्षा जल संजोती थीं, लेकिन आज उनकी जगह कंक्रीट के जंगल उग आए हैं। नतीजा यह है कि बारिश का पानी जमीन में उतरने के बजाय सड़कों और नालों में बह जाता है, जबकि गर्मियों में भूजल खाली पड़ जाता है। मानो हम बरसात में पानी को ठुकराते हैं और फिर गर्मी में उसकी तलाश में भटकते हैं। दुर्भाग्य से विकास की परिभाषा ऊंची इमारतों और चौड़ी सड़कों तक सिमट गई है, जबकि जल संरक्षण हाशिये पर है। यही सोच आज जल संकट और जलभराव—दोनों की सबसे बड़ी वजह है।

भारत में जल संकट का कारण केवल पानी की कमी नहीं, बल्कि उसके उपयोग और प्रबंधन की खामियां भी हैं। कृषि और शहर मिलकर देश के 80 प्रतिशत से अधिक भूजल का दोहन कर रहे हैं, फिर भी जल व्यवस्था चरमराई हुई है। शहरों में लाखों लीटर पानी पाइपलाइन लीकेज में बह जाता है, जबकि कई बस्तियां बूंद-बूंद को तरसती हैं। दूसरी ओर सीमित जल वाले क्षेत्रों में भी अत्यधिक पानी मांगने वाली फसलें उगाई जा रही हैं। नतीजा यह है कि गर्मियों में जलाशय सूख जाते हैं और बरसात में वही पानी अनियंत्रित होकर तबाही मचाता है। स्पष्ट है, यह संकट संसाधनों के अभाव से अधिक गलत प्रबंधन और विकृत प्राथमिकताओं का परिणाम है।

गर्मी की प्यास और बारिश की तबाही का सबसे भारी बोझ समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ रहा है। गांवों में पेयजल संकट स्वास्थ्य, खेती और पशुधन—तीनों पर चोट कर रहा है। सूखती फसलें किसानों की आय घटा

रही हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर बना रही हैं। वहीं शहरों में जलभराव और बाढ़ यातायात, कारोबार और जनजीवन को ठप कर देते हैं, साथ ही बीमारियों का खतरा बढ़ा देते हैं। गरीब परिवारों के घर डूबते हैं, रोज़गार प्रभावित होता है और जीवन स्तर गिरता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जल संकट और जल प्रलय की सबसे बड़ी कीमत वही लोग चुका रहे हैं, जिनकी इन समस्याओं को पैदा करने में सबसे कम भूमिका है।

यह संकट अब केवल पर्यावरण या समाज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की चुनौती बन चुका है। पानी सीधे खाद्य सुरक्षा, कृषि, उद्योग, जनस्वास्थ्य और सामाजिक संतुलन से जुड़ा है। यदि जल स्रोत लगातार कमजोर होते रहे, तो भविष्य में जल विवाद बढ़ेंगे, कृषि उत्पादन घटेगा और शहरों की जीवन क्षमता पर भी संकट गहराएगा। जो राष्ट्र अपने नागरिकों के लिए पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता सुनिश्चित नहीं कर सकता, उसका विकास भी लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इसलिए पानी को महज़ एक संसाधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और विकास की आधारशिला मानने का समय आ गया है।

राह मुश्किल जरूर है, लेकिन समाधान सामने हैं। जरूरत केवल दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और जनभागीदारी की है। हर शहर और गांव में वर्षा जल संचयन अनिवार्य बनाना होगा, जबकि तालाबों, झीलों और पारंपरिक जलस्रोतों को पुनर्जीवित करना होगा। शहरी विकास ऐसा हो कि वर्षा जल जमीन में समा सके और स्मार्ट ड्रेनेज व्यवस्था भूजल का आधार बने। कृषि में ड्रिप सिंचाई, सूक्ष्म सिंचाई और क्षेत्रानुकूल फसल चक्र को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जल वितरण व्यवस्था दुरुस्त कर पाइपलाइन लीकेज पर अंकुश लगाना होगा और लोगों को जल संरक्षण का भागीदार बनाना होगा। बदलाव घोषणाओं से नहीं, बल्कि ईमानदार और सख्त क्रियान्वयन से आएगा।

सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि भारत कितना विकसित हुआ, बल्कि यह है कि क्या वह अपने लोगों के लिए पानी सुरक्षित रख पाया। गर्मी में प्यास और बारिश में सैलाब की यह विडंबना हमारी विकास यात्रा पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। यदि जल संरक्षण, जल साक्षरता और जल के न्यायपूर्ण वितरण को राष्ट्रीय संकल्प नहीं बनाया गया, तो आने वाली पीढ़ियां हमारी दूरदर्शिता नहीं, हमारी लापरवाही को याद रखेंगी। विकास का वास्तविक पैमाना कंक्रीट के जंगल नहीं, बल्कि हर नागरिक तक स्वच्छ और पर्याप्त पानी की पहुंच है। भारत को अब जल-केंद्रित विकास की दिशा में बढ़ना होगा, क्योंकि भविष्य की समृद्धि का रास्ता पानी से होकर गुजरता है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

कविता

कई चेहरे नक़ाबों में संवरने लगे।

खुले आकाश में परिंदे मंडराने लगे हैं,
दूसरे पंछियों को वो बहकाने लगे हैं।

कल तक नहीं जिन्हें गलियों का ज्ञान
वही अब राह सबको दिखाने लगे हैं।

ज़रा-सी धूप क्या मिली कामयाबी की,
अपनीं परछाइयां से भी कतराने लगे हैं।

जो दर्द में शामिल थे हर इक मोड़ पर,
मस्ती की भीड़ में तेवर दिखाने लगे हैं।

ये बहकी हवाओं का असर आजकल,
फूलों के बीच काँटे भी इतराने लगे हैं।

हुनर कम और शोर का आलम ज्यादा,
ख़ाली बर्तन भी अब टकराने लगे हैं।

फरेबी आँधियों ने सच को ढक दिया,
आईने झूठ की सूरत सँवारने लगे हैं।

मजबूती से पांव रख अपनी ज़मीं पर
जो ऊँचे उड़ उड़े, अब खबराने लगे हैं।

नज़र रखना समय के मिज़ाज संजीव,
कई चेहरे नक़ाबों में संवरने लगे।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

मेष आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। **शुभ रंग:** लाल 7 **शुभ अंक:** 9

वृषभ रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। नौकरी और व्यवसाय में लाभ मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। **शुभ रंग:** सफेद 7 **शुभ अंक:** 6

मिथुन आज व्यस्तता अधिक रहेगी। कार्यों में सफलता के लिए धैर्य बनाए रखें। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। यात्रा के योग बन सकते हैं। **शुभ रंग:** हरा 7 **शुभ अंक:** 5

कर्क परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न होगा। धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। भावनाओं में बहकर निर्णय न लें। **शुभ रंग:** चांदी 7 **शुभ अंक:** 2

सिंह नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा। नौकरी में पद और प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
शुभ रंग: सुनहरा 7 शुभ अंक: 1

कन्या आज मेहनत का पूरा फल मिलने की संभावना है। व्यापार में नई योजनाएं लाभदायक रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। **शुभ रंग:** हरा 7 **शुभ अंक:** 7

तुला भाग्य का साथ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक मामलों में संतुलित व्यवहार रखें। निवेश के लिए दिन अच्छा है।
शुभ रंग: गुलाबी 7 **शुभ अंक:** 6

वृश्चिक कार्यस्थल पर चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें सफलतापूर्वक पार कर लेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंग: मैरून 7 **शुभ अंक:** 8

धनु धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। करियर में प्रगति के संकेत हैं। यात्रा से लाभ मिल सकता है।
शुभ रंग: पीला 7 **शुभ अंक:** 3

मकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं बनेंगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। **शुभ रंग:** नीला 7 **शुभ अंक:** 4

कुंभ साझेदारी के कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक लाभ के नए स्रोत बन सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। **शुभ रंग:** आसमानी 7 **शुभ अंक:** 11

मीन नौकरी और व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा।
शुभ रंग: पीला 7 **शुभ अंक:** 7

आ अब लौट चलें। वैश्विक अस्थिरता के दौर में व्यथित भारतीय प्रतिभाओं की विदेशों से घर वापसी का दौर

कभी भारत से विदेश जाना सफलता का पर्याय माना जाता था। इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक, शोधकर्ता और तकनीकी विशेषज्ञ अपने सपनों को साकार करने के लिए अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप की ओर निकल पड़ते थे। बेहतर वेतन, आधुनिक जीवनशैली, अनुसंधान के अवसर और सामाजिक सुरक्षा ने लाखों भारतीय युवाओं को आकर्षित किया। लेकिन आज विश्व की बदलती परिस्थितियां एक नया प्रश्न खड़ा कर रही हैं,क्या अब वह समय आ गया है जब विदेशों में बसे भारतीय पेशेवर 'आ अब लौट चलें की व्यथा तथा कथा की पीड़ा से पीड़ित है? वैश्विक युद्ध के चलते अब भारतीय प्रवासी पैसे वालों की जान को खतरा मंडराने लगा और विदेशी शासको के पराई पान के व्यवहार से परेशान होकर वापस घर लौटने की मानसिकता बन चुके हैं।

विश्व पिछले कुछ वर्षों से युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, बढ़ती महंगाई, सांस्कृतिक तनाव और कठोर होती आव्रजन नीतियों के दौर से गुजर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व में बढ़ते संघर्ष, अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक प्रतिस्पर्धा तथा पश्चिमी देशों में बढ़ती राष्ट्रवादी राजनीति ने विदेशी नागरिकों के भविष्य को अनिश्चित बना दिया है। विशेष रूप से भारतीय पेशेवरों के सामने वीजा, स्थायी निवास और रोजगार सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। अनेक देशों में स्थानीय रोजगार को प्राथमिकता देने की मांग तेज हुई है, जिसके कारण प्रवासी समुदाय स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगा है। हाल के वर्षों में अमेरिका की एच-1बी वीजा नीतियों में बदलाव और बढ़ती अनिश्चितताओं ने हजारों भारतीय तकनीकी विशेषज्ञों को भविष्य के प्रति चिंतित किया है।

भारतीय मूल के लाखों पेशेवर विदेशों में रहते हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार विश्वभर में लगभग 3.5 करोड़ भारतीय मूल के लोग निवास करते हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय माना जाता है। इनमें बड़ी संख्या डॉक्टरों, इंजीनियरों, आईटी विशेषज्ञों, वित्तीय सलाहकारों और शोधकर्ताओं की है। केवल भारतीय छात्रों की बात करें तो वर्ष 2024 तक 13 लाख से अधिक भारतीय छात्र विदेशों में अध्ययन कर रहे थे। विदेशों में रहने वाले भारतीयों की चमकदार तस्वीर अक्सर दिखाई जाती है, किंतु उसके पीछे छिपी मानसिक और सामाजिक पीड़ा कम चर्चा में आती है। आर्थिक सफलता के बावजूद सांस्कृतिक अकेलापन, परिवार से दूरी, बुजुर्ग माता-पिता की चिंता, बच्चों की पहचान का संकट तथा नस्लीय भेदभाव के अनुभव अनेक प्रवासी भारतीयों को भीतर से विचलित करते हैं। पश्चिमी देशों में जीवन की बढ़ती लागत ने भी स्थिति कठिन बना दी है। ऊंचे किराए, महंगी स्वास्थ्य सेवाएं, बच्चों की शिक्षा का खर्च और नौकरी की असुरक्षा ने उस आकर्षण को कमजोर किया है जो कभी विदेशों को अवसरों की स्वर्णभूमि बनाता था।

अनेक भारतीय पेशेवर स्वीकार करते हैं कि आर्थिक समृद्धि के बावजूद भावनात्मक संतोष की कमी उन्हें लगातार परेशान करती रहती है।

भारत के प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने भी इस विषय पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने भारतीय प्रवासी समुदाय को 'ब्रेन ड्रेन' नहीं बल्कि 'ब्रेन बैंक' बताया है। उनका मानना है कि प्रतिभाएं जहां अवसर मिलते हैं वहां जाती हैं, किंतु वे अनुभव, पूंजी, तकनीक और वैश्विक दृष्टि के रूप में अपने देश को भी समृद्ध करती हैं। यह विचार आज और अधिक प्रासंगिक है क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर अब विदेशों से लौटकर भारत में स्टार्टअप, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं।

भारत में भी परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप संस्कृति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष अनुसंधान और वैश्विक क्षमता केंद्रों के विस्तार ने रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के कारण भारत अब केवल प्रतिभा निर्यातक देश नहीं रह गया है, बल्कि प्रतिभाओं को आकर्षित करने वाला देश भी बनने लगा है। कई भर्ती एजेंसियों ने बताया है कि विदेशों में कार्यरत अनुभवी भारतीय पेशेवरों की वापसी की प्रवृत्ति पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ी है। यह भी सच है कि भारत को अभी बहुत कार्य करना बाकी है। अनुसंधान एवं विकास पर खर्च, शहरी अवसंरचना, प्रशासनिक पारदर्शिता, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक भारत वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के लिए विश्वस्तरीय वातावरण नहीं बनाएगा, तब तक प्रतिभा पलायन पूरी तरह नहीं रुकेगा। परिस्थितियों का संकेत स्पष्ट है कि दुनिया का भू-राजनीतिक वातावरण तेजी से बदल रहा है। विदेशी धरती पर बसे भारतीय पेशेवर अब केवल अधिक वेतन नहीं, बल्कि जीवन की स्थिरता, सामाजिक अपनत्व और भावनात्मक सुरक्षा को भी महत्व देने लगे हैं। वे महसूस कर रहे हैं कि अपने देश में संघर्ष करना पराए देश में असुरक्षा के साथ जीने से कहीं अधिक संतोषजनक हो सकता है। माता-पिता की वृद्ध आंखें, अपनी भाषा की मिठास, अपने त्योहारों की खुशबू और अपनी मिट्टी का अपनापन किसी भी मुद्रा में नहीं खरीदा जा सकता।

आज भारत उन लाखों प्रतिभाशाली प्रवासी भारतीयों को पुकार रहा है जिन्होंने अपनी मेहनत से विश्व के बड़े संस्थानों को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। यदि वही ज्ञान, अनुभव और नवाचार भारत की धरती पर लगे तो विकास की नई इबारत लिखी जा सकती है। यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता भी है। वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में अनेक भारतीय पेशेवरों के मन में एक ही स्वर गूंज रहा है,विदेशों की चमक बहुत देख ली, अब अपने देश की धड़कनों को महसूस करने का समय है। सचमुच, यह समय कह रहा है, 'आ अब लौट चलें।

संजीव ठाकुर

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। नोट:-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

अग्निकांड पीड़ितों के बीच पहुंचे युवा सपा नेता आदर्श भारती, राहत सामग्री वितरित कर बंधाया ढांढस

महराजगंज/रायबरेली। तहसील क्षेत्र के महराजपुर मजरे जनई गांव में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड से प्रभावित परिवारों के बीच रविवार को युवा समाजवादी नेता आदर्श भारती पहुंचे। इस अग्निकांड में आधा दर्जन से अधिक परिवारों के घरों का सामान जलकर खाक हो गया था, जिससे पीड़ित परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतों का संकट खड़ा हो गया था। पीड़ितों की स्थिति की जानकारी मिलने पर क्षेत्रीय विधायक श्याम सुंदर भारती के ज्येष्ठ पुत्र एवं युवा सपा नेता आदर्श भारती समाजवादी कार्यकर्ताओं के साथ गांव पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने पीड़ितों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाते हुए खाद्य सामग्री एवं अन्य आवश्यक राहत सामग्री वितरित की। आदर्श भारती ने कहा कि संकट की इस घड़ी में समाजवादी परिवार पीड़ितों के साथ खड़ा है और जरूरत पड़ने पर आगे भी हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। राहत सामग्री मिलने से प्रभावित परिवारों ने राहत की सांस ली और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान सपा नेता अमित त्रिपाठी उर्फ मोनू, फिरोज अहमद, समर बहादुर यादव सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे। गांव में राहत सामग्री वितरण के दौरान लोगों ने इस मानवीय पहल की सराहना की।

डिजिटल युग में हिन्दी पत्रकारिता विषय पर संगोष्ठी सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

बिसवां (सीतापुर)- हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर कलमकार एसोसिएशन बिसवां इकाई के बैनर तले निजी होटल में 'डिजिटल युग में हिंदी पत्रकारिता' विषय पर संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पवन सिंह चौहान ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने समाज को जागरूक करने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशिष्ट अतिथि निर्मल वर्मा ने समाजहित में तथ्यात्मक पत्रकारिता पर बल दिया। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार रमेश बाजपेयी 'विरल' ने की तथा संचालन आराध्य शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में पत्रकारों को सम्मानित किया गया। साथ ही दिवंगत पत्रकार विनोद गर्ग एवं मुबारक अली के परिजनों को सम्मान देकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आर.एन. सिंह, पदमकांत शर्मा, पियूष बाजपेयी, हरिओम बाजपेयी विजय अवस्थी, संदीप मिश्र 'सरस', मोहित जायसवाल, अश्वनी त्रिपाठी, अमित जैसवाल अय्यूब खान, बिलाल खान सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में आयोजक अरुणनाथ सिंह एवं हरिशंकर गुप्ता ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

सूचना

मैं, प्रीति शर्मा, कानूनी रूप से क्रमांक 14657776A रैंक CFN नाम अमित कुमार की पत्नी हूं, ने न्यायालय मथुरा, उत्तर प्रदेश के समक्ष शपथ-पत्र द्वारा अपना नाम PREETY SHARMA से बदलकर PREETI SHARMA तथा जन्मतिथि 01/07/1987 से बदलकर 01/07/1989 कर लिया है।

सूचना

मैं, शौर्य शर्मा SHOURYA SHARMA, कानूनी रूप से क्रमांक 14657776A रैंक CFN नाम अमित कुमार का पुत्र हूं, ने न्यायालय मथुरा, उत्तर प्रदेश के समक्ष शपथ-पत्र द्वारा अपना नाम SHAURYA SHARMA से बदलकर SHOURYA SHARMA कर लिया है।

यूपी में फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने पर पावर कॉरपोरेशन का विरोध, उपभोक्ता परिषद ने कहा- बिजली उपभोक्ताओं पर बढ़ेगा बोझ

● उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने पावर कारपोरेशन द्वारा फ्यूल सरचार्ज में वृद्धि का विरोध किया है, इसे करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बताया है। परिषद ने विद्युत नियामक आयोग से हस्तक्षेप कर उपभोक्ता हितों की रक्षा की मांग की है, क्योंकि कंपनियों पर उपभोक्ताओं का 51,000 करोड़ सरप्लस बकाया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन द्वारा फ्यूल सरचार्ज (ईंधन अधिभार शुल्क) में की गई वृद्धि पर विरोध दर्ज करते हुए इसे करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बताया है। परिषद का कहना है कि जब ईंधन अधिभार शुल्क संबंधी कानून बनाया गया था, तब भी स्पष्ट चेतावनी दी थी कि बिजली कंपनियों को मनमानी तरीके से शुल्क लगाने की छूट नहीं होगी। यह आपत्ति आयोग के रिकार्ड में दर्ज है। परिषद का तर्क है कि हाल में पावर कारपोरेशन ने दस प्रतिशत वृद्धि का कारण अपीलेट ट्रिब्यूनल के कुछ आदेशों के तहत पुराने बकाया भुगतान को बताया गया है। लेकिन यदि कोई पूर्व भुगतान या समायोजन लंबित था, तो उसे टू-अप प्रक्रिया के माध्यम से समायोजित करना चाहिए।

उपभोक्ताओं का सरप्लस लगभग 51,000 करोड़ रुपये तक पहुंचा

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि प्रदेश में बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं का सरप्लस लगभग 51,000 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। ऐसे में शुल्क बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं बनता। परिषद ने आरोप लगाया कि विद्युत नियामक आयोग द्वारा बनाए गए कंज्यूमर राइट रूल्स 2020 के तहत जहां उपभोक्ताओं को अधिकार दिए गए हैं, वहीं 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के उल्लंघन पर मुआवजा देने के प्रविधानों को प्रभावी रूप से लागू नहीं किया गया है। अंत में उपभोक्ता परिषद ने विद्युत नियामक आयोग से मांग की है कि वह इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करे, ईंधन अधिभार वृद्धि के निर्णय की समीक्षा करे तथा उपभोक्ता हितों की रक्षा सुनिश्चित करे।

अंधेरे में 15 घर पानी को भी तरस रहे लोग, भीषण गर्मी में बिलबिलाते बच्चे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के कुम्भडौरा गांव की नई बस्ती में पिछले 18 दिनों से करीब 15 घरों की बिजली आपूर्ति ठप है। आंधी तूफान में गिरे दो बिजली के खंभों की अब तक मरम्मत नहीं कराई गई है। इससे ग्रामीणों को भीषण गर्मी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि दो सप्ताह पहले आए तेज आंधी-तूफान में नरपत का पुरवा मार्ग स्थित शनि मंदिर के पास दो बिजली के खंभे गिर गए थे। खंभे गिरने से नई बस्ती के लगभग 15 घरों की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। ग्रामीणों ने कई बार बिजली विभाग से शिकायत की लेकिन अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं कराया गया। बिजली न होने से मोहल्ले में पेयजल का संकट है। अधिकांश घरों में पानी की व्यवस्था बिजली चालित मोटरों से होती है। ऐसे में लोगों को दूसरे घरों पर निर्भर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि मोहल्ले के केवल दो घरों से लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। बताया कि खंभे सड़क पर पड़े हुए हैं आवागमन में भी दिक्कत हो रही है। रोशनी, पवन दीक्षित, सुशील बाजपेई, रामविलास सिंह, शिवमोहन शर्मा, अभिनव रंजन दीक्षित, अयोध्या, ओमप्रकाश, राकेश पंडित, सनी बैटरी, राजू और भैयालाल सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि बिजली न होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। रात में गर्मी के कारण लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने विभाग से जल्द खंभे बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है। उधर अवर अभियंता बृजेश कुमार ने बताया कि जहां कहीं भी आंधी तूफान से नुकसान हुआ है वहां मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

जहरीला पदार्थ खाने से युवती की हालत बिगड़ी

गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के पूरे भूप सिंह गांव में शनिवार को एक युवती द्वारा विषाक्त पदार्थ खा लेने से उसकी हालत गंभीर हो गई। परिजनों ने उसे तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। गांव निवासी विजय कुमार की 21 वर्षीय पुत्री अनामिका ने शनिवार दोपहर करीब 12 बजे किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने आनन फानन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। डॉक्टरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी है।

जमीनी विवाद में चले लाठी-डंडे और रॉड, चार लोग गंभीर रूप से घायल

महराजगंज/रायबरेली। चन्दापुर थाना क्षेत्र के पूरे चिरेन्धा गांव में जमीनी विवाद को लेकर जमकर मारपीट हुई, जिसमें एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूरे चिरेन्धा गांव में देर रात जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि दबंगों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से एक परिवार पर हमला कर दिया। इस हमले में बृजेश, रामकेश, चंद देवी सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। गांव में हुई इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

एनआरएलएम मिशन के तहत सिघौर तारा में स्वयं सहायता समूह गठन अभियान को मिली रफ्तार

● महिलाओं को स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता से जोड़ने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली) सरेनी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत विकासखंड सरेनी की ग्राम पंचायत सिघौर तारा के पूरे नेवल व पूरे गोबरे गांव में स्वयं सहायता समूह (SHG) गठन अभियान चलाया गया।खंड विकास अधिकारी प्रमोद कुमार यादव के निर्देश एवं मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं को समूह से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल की गई। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को एनआरएलएम मिशन की योजनाओं, समूह गठन की प्रक्रिया, बचत, बैंकिंग व्यवस्था एवं स्वरोजगार के अवसरों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक मजबूती देने के साथ-साथ सामाजिक रूप से भी सशक्त बनाने का कार्य कर रहे हैं।खंड विकास अधिकारी प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि एनआरएलएम के माध्यम से महिलाओं को समूह आधारित रोजगार,प्रशिक्षण एवं सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है।उन्होंने महिलाओं से अधिक संख्या में समूहों से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि समूहों के माध्यम से महिलाएं छोटे व्यवसाय शुरू कर अपनी आय बढ़ा सकती हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती हैं।अभियान के दौरान महिलाओं में उत्साह देखने को मिला और कई महिलाओं ने स्वयं सहायता समूह से जुड़ने की सहमति दी।अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि समूहों को शासन की योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जाएगा।इस अवसर पर ग्राम पंचायत अधिकारी अजय प्रताप सिंह,ग्राम प्रधान शैलेन्द्र यादव,बीएमएम आलोक वर्मा सहित ग्रामीण महिलाएं,ग्राम पंचायत सदस्य एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्या भारती द्वारा आयोजित पंद्रह दिवसीय नवचयनित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का समापन सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सौरभ मालवीय क्षेत्रीय मंत्री(विद्या भारती) और विशिष्ट अतिथि माननीय हरेन्द्र श्रीवास्तव (अध्यक्ष) भारतीय शिक्षा समिति उपस्थित रहे। अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राम निवास सिंह द्वारा कराया गया।संस्कारयुक्त, भारत-केंद्रित शिक्षा पर जोर समापन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. सौरभ मालवीय ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि आचरण निर्माण करना है। वंदना, भोजन मंत्र, व्यवहार और विचार-विमर्श के माध्यम से 15 दिन में आचार्यों के मन, चित्त और वाणी में परिवर्तन लाने का प्रयास किया गया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र की शक्ति उसकी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करती है। यदि शिक्षा समाज के अनुकूल होगी तो राष्ट्र समृद्ध और शक्तिशाली बनेगा। उन्होंने आचार्यों से आह्वान किया कि वे नई पीढ़ी को 'श्रेष्ठ, समर्थ और संपन्न भारत' बनाने के संकल्प के साथ कार्य करें। डॉ. मालवीय ने कहा कि भारत सिर्फ एक भू-भाग नहीं, बल्कि आनंद, ज्ञान, मुक्ति और परोपकार का प्रतीक है। भारत की संस्कृति 'संबंध' और 'कर्तव्य' पर आधारित है। राम, लक्ष्मण और सीता के उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि मर्यादा और धर्मयुक्त संबंध ही भारत की पहचान हैं। उन्होंने चेताया कि आज पूंजीवाद, समाजवाद और सांस्कृतिक अतिवाद जैसे विचार भारतीय मूल्यों को खंडित करने का प्रयास कर रहे हैं।

ऐसे में विद्या भारती के आचार्यों की जिम्मेदारी है कि वे भारतीय ज्ञान परंपरा, ऋषियों के विचार और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के मंत्र को समाज तक पहुंचाएं। डॉ. मालवीय ने बताया कि विद्या भारती अगले वर्ष गुरु पूर्णिमा से अपना 75वां 'अमृत महोत्सव वर्ष' मनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी विद्या भारती की उपस्थिति 24 हजार केंद्रों तक है, लेकिन जब यह 24 लाख या 24 करोड़ तक पहुंचेगी, तभी भारत में वास्तविक भारत-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था स्थापित हो सकेगी। कार्यक्रम के इस अवसर पर प्रदेश निरीक्षक अवध प्रांत रामजी सिंह , पूर्णकालिक अधिकारी बंधु एवं संभाग निरीक्षक आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के अध्यक्ष *श्री सुभाष चन्द्र अग्निहोत्री* ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षक आचार्यों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन सत्र में 15 दिन के प्रशिक्षण में सम्मिलित नवचयनित आचार्यों ने शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने का संकल्प लिया।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर पत्रकारों का सम्मान, लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को किया गया नमन

● राष्ट्रीय उन्नति सेवा संघ के आयोजन में वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मान पत्र देकर किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर । हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय उन्नति सेवा संघ द्वारा एलआईसी गेस्ट हाउस में भव्य पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ एवं सक्रिय पत्रकारों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। समारोह के दौरान पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान देने वाले पत्रकारों को सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उन्नति सेवा संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतू श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, जो दिन-रात और हर परिस्थिति में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं समाज तक सही और निष्पक्ष जानकारी पहुंचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार अक्सर जोखिम भरे हालात में भी जनहित के मुद्दों को सामने लाते हैं, इसलिए समाज के प्रत्येक वर्ग का दायित्व है कि वह पत्रकारों के योगदान का सम्मान करे। उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, ताकि समाज और पत्रकारिता के बीच विश्वास और सम्मान का संबंध और मजबूत हो सके। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुप खेतान तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष आचिन मल्होत्रा उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पत्रकारों को लोकतंत्र की मजबूत नींव बताया।समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का समापन पत्रकारों के सम्मान और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

चोरों के हौसले बुलंद घर से लाखों की नकदी ज़ेवर किया पार, साड़ी की रस्सी बनाकर घर में घुसे चोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर के मछरेहटा थाना क्षेत्र के ग्राम बीहट बीरम में शनिवार देर रात अज्ञात चोरों ने साड़ी का फंदा बनाकर एक घर में उतरकर लाखों रुपये की नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है गांव निवासी ठाकुर सिद्धेश्वर सिंह शनिवार रात अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर घर के पीछे की ओर से पहुंचे और साड़ी के सहारे मकान के अंदर प्रवेश कर गए चोरों ने कमरे की जाली तोड़कर घर के भीतर घुसने के बाद अलमारी और बक्सों को खंगालना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि चोरों ने अलमारी और बक्सों के ताले खोलकर अथवा तोड़कर उनमें रखी नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी रात के अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। रविवार सुबह जब परिवार के सदस्य जागे तो घर का सामान बिखरा पड़ा देखकर उनके होश उड़ गए अलमारी और बक्से खुले पड़े थे तथा कमरे का सामान अस्त-व्यस्त था घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताई। सूचना मिलने पर मछरेहटा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और तकनीकी विशेषज्ञों को भी बुलाया गया, जिन्होंने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कर जांच शुरू की। पीड़ित ठाकुर सिद्धेश्वर सिंह ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है थाना प्रभारी प्रभात गुप्ता ने बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही घटना के खुलासे का प्रयास किया जा रहा है!!

यूपी बेसिक शिक्षा विभाग में बड़ा फेरबदल, डायट प्राचार्य और उप प्राचार्यों के तबादले

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग ने समूह 'क' के अधिकारियों के तबादले और नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं। इस फेरबदल में दो डायट प्राचार्य और दो उप प्राचार्यों की तैनाती बदली गई है, जबकि कई अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं। संबद्ध कार्यालय में कार्यरत शिक्षा निदेशक बेसिक तनुजा त्रिपाठी को वरिष्ठ शोध मनोवैज्ञानिक के पद पर तैनात किया गया है। अयोध्या में कार्यरत धर्मेंद्र कुमार श्रीमाली को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) सीतापुर का प्राचार्य बनाया गया है। मैनपुरी डायट के उप प्राचार्य विजय प्रताप सिंह का तबादला कर उन्हें डायट चंदौली में उप प्राचार्य नियुक्त किया गया है। वहीं, डायट हापुड़ की उप प्राचार्य ज्योति दीक्षित को डायट मुजफ्फरनगर का उप प्राचार्य बनाया गया है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (एससीईआरटी) प्रयागराज के प्राचार्य राजेंद्र प्रताप को सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।उप शिक्षा निदेशक मीरजापुर विनोद कुमार शर्मा को मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) विंध्याचल मंडल का अतिरिक्त दायित्व दिया गया है।

येलो अलर्ट के दृष्टिगत जिलाधिकारी भदोही की जनपदवासियों से विशेष अपील

● वज्रपात, मेघगर्जन एवं 40 से 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना, सावधानी बरतने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार जनपद भदोही में दिनांक 31 मई से 02 जून 2026 तक खराब मौसम बने रहने की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग ने इस अवधि के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए जनपद में वज्रपात (आकाशीय बिजली), मेघगर्जन तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी श्री शैलेष कुमार ने जनपदवासियों से पूर्ण सतर्कता एवं सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संभावित खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर निकलने से बचें तथा प्रशासन एवं मौसम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से किसानों, विद्यार्थियों, वाहन चालकों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले नागरिकों से मौसम संबंधी सूचनाओं पर निरंतर नजर बनाए रखने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि गरज-चमक एवं वज्रपात के दौरान खुले मैदानों, खेतों, छतों तथा पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें। साथ ही टूटे हुए विद्युत तारों एवं विद्युत उपकरणों के संपर्क में आने से परहेज करें तथा ऐसी किसी भी स्थिति की तत्काल सूचना संबंधित विभाग को दें। किसानों को सलाह दी गई है कि कटाई की गई फसलों को सुरक्षित स्थान पर रखें तथा पशुओं को खुले स्थानों से हटाकर सुरक्षित शेड में रखें। कृषि यंत्रों एवं अन्य आवश्यक सामग्री को भी सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यालयों एवं अन्य संस्थानों को मौसम की परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक एहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि संभावित आपदा की स्थिति से निपटने हेतु जनपद प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं तैयार है। सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है तथा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं।

जिलाधिकारी की अपील

'मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों को गंभीरता से लें, अफवाहों पर ध्यान न दें तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचित करें। आपकी सतर्कता एवं सावधानी ही आपकी सुरक्षा का सबसे प्रभावी उपाय है।'

बनकटा में सीडीओ की चौपाल, विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत परखी

देवरिया। शासन की योजनाओं को गांव-गांव तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को मुख्य विकास अधिकारी राजेश सिंह ने विकास खंड बनकटा क्षेत्र में चौपाल लगाकर विकास कार्यों की समीक्षा की। कार्यक्रम में सीडीओ ने ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से सीधे संवाद कर योजनाओं की जमीनी स्थिति जानी। सीडीओ ने बखरी, हाटा, बगरुआ, सिकटिया दीनानाथ और बनकटा ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित चौपालों में शिक्षा, आवास, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कायाकल्प, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र और अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही मनरेगा जॉब कार्ड धारकों, पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों तथा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए गए। फैमिली आईडी, फॉर्मर आईडी, प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना, अमृत सरोवर, चारागाह भूमि, पोषण और महिला सशक्तिकरण जैसे विषय भी समीक्षा के केंद्र में रहे। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचे। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान, पंचायत प्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नकाब पहनकर ज्वेलर्स दुकान पर टप्पेबाजी का पर्दाफाश

● दो महिलाओं सहित तीन अंतरजनपदीय आरोपियों को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

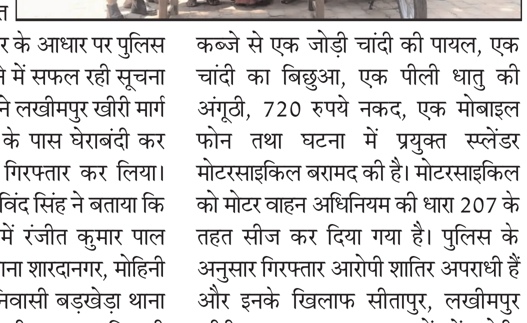

सीतापुर के लहरपुर कोतवाली क्षेत्र में 17 मई को प्रज्ञा ज्वेलर्स की दुकान से हुई टप्पेबाजी की घटना का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए दो महिलाओं सहित तीन अंतरजनपदीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया सामान, नकदी, मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है जानकारी के अनुसार 17 मई को नगर के मोहल्ला बेहटी निवासी सालिक राम रस्तोगी की केशरीगंज स्थित प्रज्ञा ज्वेलर्स दुकान पर दो बुर्कानशीं महिलाएं ग्राहक बनकर पहुंची थीं महिलाओं ने पायल देखने के बहाने दुकान संचालक का ध्यान भटकाया और चांदी तथा सोने के आभूषण चोरी कर फरार हो गई थीं। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी घटना के बाद पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के नंबर के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही सूचना के आधार पर पुलिस ने लखीमपुर खीरी मार्ग पर नवीनगर खंडजे के पास घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में रंजीत कुमार पाल निवासी अटकोहना थाना शारदानगर, मोहिनी देवी पत्नी बाबूराम निवासी बड़खेड़ा थाना सदर तथा दीप्ति राज पुत्री रामप्रसाद निवासी बड़खेड़ा थाना सदर, जनपद लखीमपुर खीरी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक जोड़ी चांदी की पायल, एक चांदी का बिछुआ, एक पीली धातु की अंगूठी, 720 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। मोटरसाइकिल को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शातिर अपराधी हैं और इनके खिलाफ सीतापुर, लखीमपुर खीरी तथा बहराइच जनपदों में चोरी, नकबजनी और धोखाधड़ी समेत कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं!!

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली जनगणना में मकान मालिकों की अड़चन, किराएदारों की गिनती में बन रहे बाधा

दिल्ली। दिल्ली में जनगणना के काम में कई जगह मकान मालिक किराएदारों की गणना होने में बाधा बन रहे हैं। दिल्ली के कई क्षेत्रों से आ रहीं ऐसी शिकायतों को देखते हुए जनगणना निदेशालय ने दिल्ली के सभी डीएम से सहयोग मांगा है। दिल्ली के जनगणना निदेशक की ओर से इसे लेकर शनिवार को सभी डीएम के साथ वर्चुअल बैठक की गई, जिसमें बताया गया कि मकान मालिक किराएदारों की सही जानकारी नहीं दे रहे हैं और किरायेदारों को आगे भी नहीं आने दे रहे हैं। निदेशालय के अनुसार श्रमिक भी जनगणना कार्य में सहयोग नहीं दे रहे और उन्हें लग रहा है कि यहां जनगणना में भाग लेंगे तो गांव में मतदाता सूची में नाम कट जाएगा। जबकि किसी का कहीं से नाम नहीं कटने वाला है। इसे लेकर इस बारे में जागरुकता अभियान तेज किए जाने का फैसला लिया गया है। जिसमें मकान मालिकों को यह बताया जाएगा कि जनगणना में किरायेदारों का भाग लेना भी जरूरी है और किरायेदारों के भाग लेने से मकान मालिकों के लिए कोई परेशानी नहीं होनी है। जनगणना निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि जनगणना में ली गई सभी जानकारी गोपनीय रखी जाती है। उन्होंने कहा कि शहर के समुचित विकास और भविष्य की योजनाओं के लिए शहर के हर व्यक्ति का गणना में शामिल होना जरूरी है। दिल्ली की कुल आबादी में करीब 35 प्रतिशत लोग किरायेदार हैं। इस समय एमसीडी क्षेत्र में गृह सूचीकरण का काम चल रहा है। एमसीडी क्षेत्र में 3170 802 घर हैं और 13579245 की आबादी रहती है। वर्ष 2027 की जनगणना के पहले चरण के तहत गृह सूचीकरण और गृह जनगणना (एचएलओ) के लिए एमसीडी क्षेत्र में 16 मई से अभियान शुरू किया गया है। सबसे ज्यादा 5948 हाउस लिस्टिंग ब्लाक उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हैं, जबकि सबसे कम 585 नई दिल्ली जिले में हैं। एमसीडी क्षेत्र में जारी जनगणना में जनगणनाकर्मियों को कई इलाकों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि मकान मालिक किराएदारों को जनगणना में शामिल होने से रोक रहे हैं। बता दें कि एमसीडी इलाके के कुल 45,815 हाउस लिस्टिंग ब्लाक (एचएलबी) में से 45,000 ब्लाक में जनगणना का काम जारी है। एक एचएलबी में लगभग 150-200 मकान होते हैं।

ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 7500 चालान काटे और 65 FIR दर्ज

दिल्ली। राजधानी में सड़क सुरक्षा को पुख्ता करने और यातायात को सुचारू बनाने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने बीते सप्ताह बड़ा अभियान चलाया। इस दौरान गलत दिशा में गाड़ी चलाने, गाड़ियों में अवैध रूप से काली फिल्म लगाने और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। ट्रैफिक पुलिस ने, ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर 7500 वाहनों के चालान काटे गए और 65 वाहन चालकों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई। एडिशनल पुलिस कमिश्नर, ट्रैफिक, विजयंता गोयल आर्या का कहना है कि यह उल्लंघन सिर्फ नियम तोड़ना ही नहीं है, बल्कि सड़कों पर चलने वाले मासूम लोगों की जान को खतरे में डालना भी होता है। गलत दिशा में वाहन चलाना बेहद लापरवाह तरीका है, जिससे अक्सर आमने-सामने की भीषण टक्कर हो जाती है जिससे कई बार लोगों की जान भी चली जाती है। अवैध तरीके से काली फिल्म लगाकर वाहन चलाने से ड्राइवर की दृश्यता कम हो जाती है और पुलिस को भी निगरानी करने में दिक्कत आती है। शराब के नशे में वाहन चलाने से ड्राइवर का वाहन पर नियंत्रण नहीं रहता, जिससे न सिर्फ उसकी बल्कि राहगीरों और अन्य वाहन चालकों की जान पर बन आती है। इस अभियान के तहत दिल्ली पुलिस ने शहर के मुख्य मार्गों, हाईवे, कमर्शियल सेंटर्स और दुर्घटना संभावित इलाकों में इस तरह की कार्रवाई की। संयुक्त आयुक्त ट्रैफिक संजय कुमार त्यागी का कहना है कि जनता की सुरक्षा से समझौता करने वालों के खिलाफ हमारी ''जीरो टालरेंस'' की नीति है। गलत दिशा, काली फिल्म और ड्रंकन ड्राइविंग के खिलाफ यह सख्त अभियान आगे भी पूरी सख्ती से जारी रहेगा। बार-बार नियम तोड़ने वालों और दूसरों की जान खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से जिम्मेदार बनने की अपील की है। साथ ही यह भी कहा कि सड़क सुरक्षा हर नागरिक की साझी जिम्मेदारी है। आपकी एक पल की लापरवाही किसी के परिवार को कभी न भरने वाला जख्म दे सकती है। लोग ट्रैफिक नियमों का पालन करें और यदि कहीं कोई खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाता दिखे, तो उसकी शिकायत पुलिस से करें ताकि दिल्ली की सड़कों को सुरक्षित और अनुशासित बनाया जा सके। दिल्ली पुलिस आने वाले हफ्तों में भी इस तरह के विशेष अभियान जारी रखेगी ताकि सड़क हादसों को रोका जा सके और यातायात व्यवस्था को सुधारा जा सके।

'सिर्फ भारत ने ही नहीं, नेपाल ने भी जमीन पर कब्जा किया', सीमा विवाद पर बोले पीएम बालेन शाह

● नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने कहा कि भारत और नेपाल कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा सीमा विवाद को सुलझाने के लिए इतिहासकारों और विशेषज्ञों की मदद लेंगे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रविवार को कहा कि काठमांडू और नई दिल्ली एक लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने के लिए इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और विशेषज्ञों की मदद लेने के लिए सहमत हो गए हैं। नेपाल और भारत के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा है। दोनों देश इन इलाकों पर अपना दावा करते हैं। ये इलाके भारत, तिब्बत और नेपाल के तिराहे के पास स्थित हैं। भारत का कहना है कि ये इलाके उत्तराखंड का हिस्सा हैं और उसने कहा कि इस मुद्दे को द्विपक्षीय बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए।

सीमा विवाद पर नेपाल और भारत में बातचीत

विवादित जगहों के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में बालेन शाह ने संसद में कहा, 'नेपाल सरकार ने भारत को आधिकारिक तौर पर एक राजनयिक नोट भेजा है, जिसमें भारत द्वारा इलाके पर कब्जे का मुद्दा उठाया गया है, जिलमें लिपुलेख भी शामिल है और हमें उनका जवाब भी मिल चुका है।'

उन्होंने कहा, 'दोनों देश राजनयिक तरीकों से इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और संबंधित विशेषज्ञों की मदद से, साथ बैठकर इस मुद्दे को सुलझाने पर सहमत हो गए हैं।'

दोनों देशों का एक दूसरे की जमीन पर कब्जे का दावा- शाह

हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि सिर्फ भारत ने ही नेपाल की जमीन पर कब्जा नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी भारत के साथ कई जगहों पर ऐसा ही किया है। शाह ने कहा कि आपको एक बात जानकर हैरानी होगी, इसके बारे में मुझे प्रधानमंत्री बनने के बाद ही पता चला है।

दोस्तों की तरह मुद्दे को सुलझाना चाहिए- बालेन शाह

पीएम बालेन शाह ने कहा कि अब दोनों देशों को तथ्यों का अध्ययन करना चाहिए और दोस्तों की तरह साथ बैठकर इस मुद्दे को सुलझाना चाहिए।

नेपाल ने इस मुद्दे पर चीन और ब्रिटेन से साथ भी राजनयिक बातचीत की है, क्योंकि उन्होंने कहा कि यह विवाद उस समय का है जब 1947 में ब्रिटेन सरकार ने इस इलाके को छोड़ा था।

दिल्ली के साकेत हादसे में बड़ी कार्रवाई, MCD के जेई और एई सस्पेंड; अब तक पांच लोगों की मौत

दिल्ली। दिल्ली के सैदुलअजाइब में साकेत मेट्रो स्टेशन के पास हुए हादसे में बड़ी कार्रवाई हो गई है। एससीडी के दो अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। बता दें कि सैदुलअजाइब में एक पांच मंजिला इमारत ढहने से अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। कई घायलों का एम्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार सुबह घटनास्थल का दौरा कर अधिकारियों से राहत-बचाव कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दुर्घटना के लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा सीएम रेखा गुप्ता ने डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट (DM) के नेतृत्व में मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए। अधिकारियों को आस-पास की टूटी-फूटी और खतरनाक इमारतों की जांच करने और सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं। इस दर्दनाक हादसे को लेकर एमसीडी के जेई अमन जैन और एई सुदेश सिंह चौहान को सस्पेंड किया गया है। सीएम रेखा के निरीक्षण के बाद यह कार्रवाई की गई है। हादसे में मरने वाले रवि, नलिन कपिल, पार्वती ओझा की पहचान हो गई है, जबकि पांचवें की पहचान नहीं हो पाई। रवि ने कर्जिगस्तान से एमबीबीएस की डिग्री ली थी और अब पीजी की तैयारी कर रहा था। कैंटीन में दोस्तों के साथ खाना खाने गया था, इसी दौरान हादसे का शिकार हो गया।

वीकेंड पर छा गई मोहनलाल की 'दृश्यम 3', संडे को कमाई से कर दिया सबको पस्त

● मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3 ने दूसरे रविवार को धमाकेदार कलेक्शन किया है। वीकेंड पर फिल्म की कमाई को जंप मिला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। मोहनलाल की सस्पेंस थ्रिलर दृश्यम 3 जब से रिलीज हुई है, तभी से धांसू कमाई कर रही है। यह फिल्म भारत में साउथ, बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों को पछाड़कर आगे निकल गई है। सिनेमा की सबसे चर्चित फ्रेंचाइजी दृश्यम मलयालम में बनी थी जिस पर बाद में अजय देवगन ने इसी नाम से फिल्म बनाई। मलयालम और हिंदी दोनों ही भाषाओं में दृश्यम फ्रेंचाइजी की दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से इतिहास रचा।

दूसरे संडे को दृश्यम 3 की चांदी

अब मोहनलाल दृश्यम 3 लेकर आए हैं और यह फ्रेंचाइजी का फाइनल चैप्टर है। फिल्म को लेकर लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था और जब से यह रिलीज हुई है, तभी से यह धांसू कमाई कर रही है। दूसरे संडे को भी फिल्म ने करोड़ों का कारोबार किया। फिल्म की कमाई शनिवार से ज्यादा हुई है।

दृश्यम 3 का कलेक्शन

सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के मुताबिक, मोहनलाल की दृश्यम 3 को दूसरे संडे को सिर्फ 2570 शोज मिले। इन शोज के जरिए सस्पेंस थ्रिलर ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 5.10 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है। सही आंकड़े इससे ज्यादा भी हो सकता है।

श्रीभूमि जिले के पूर्व हरिनगर में रथयात्रा महोत्सव को लेकर तैयारी बैठक

● 24 सदस्यीय संचालन समिति का गठन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : श्रीभूमि जिले के पूर्व हरिनगर में आयोजित होने वाले 'उत्तर सिंगला जगन्नाथ रथ समारोह महोत्सव-2026' के आयोजन को लेकर रविवार को आनिपुर में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। आनिपुर स्थित नितु सिंह के आवास पर आयोजित इस बैठक में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 21 जुलाई को रथयात्रा महोत्सव को पूर्ण धार्मिक आस्था, गरिमा और उत्सवी माहौल के साथ आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर 24 सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया। समिति में नितु सिंह को महासचिव तथा अनिल सिंह को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में बताया गया कि 21 जुलाई को विद्यानगर, आनिपुर और रामकृष्णनगर मार्ग से जुड़े तीन घाटों से भव्य शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। ये शोभायात्राएं राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर पूर्व हरिनगर स्थित श्रीश्री भुवनेश्वर साधुठाकुर कलाक्षेत्र में पहुंचकर एकत्रित होंगी। वहां भगवान श्रीजगन्नाथ देव की आरती, दशावतार गीत एवं नृत्य प्रस्तुति के साथ महोत्सव का समापन होगा। बैठक में चिंता व्यक्त करते हुए बताया गया कि आनिपुर में सिंगला नदी पर स्थित पुल के क्षतिग्रस्त होने के कारण इस वर्ष पांच रथों की भागीदारी अनिश्चित हो गई है। हालांकि आयोजकों ने महोत्सव को सफल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास जारी रखने का भरोसा जताया। इसके अलावा धार्मिक सद्भाव, सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से सभी समुदायों के लोगों से रथयात्रा महोत्सव में भाग लेने की अपील की गई। बैठक में स्वर्गीय चंद्रकांत सिंह एवं द्वीज शर्मा की आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई। बैठक के अंत में महासचिव नितु सिंह ने मीडिया को बताया कि इस वर्ष के रथयात्रा महोत्सव को सर्वजन सहभागिता के साथ सफल बनाने के लिए सभी के सहयोग और सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की जा रही है।

श्रीभूमि जिले के राताबाड़ी में फर्जी दस्तावेज के आरोप में जमीन विवाद, कमीशन टीम के कार्य में बाधा

श्रीभूमि : श्रीभूमि जिले के राताबाड़ी बाजार के निकट सरकारीबाड़ी मौजा के अंतर्गत खसरा नंबर 273 की लगभग सात बीघा भूमि को लेकर विवाद के चलते क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। फखरुद्दीन ने उक्त भूमि को अपनी पैतृक संपत्ति बताते हुए अदालत में मामला (नं. 543/2025) दायर किया है। वादी के अनुसार, आतिकुर रहमान, हिलाल अहमद सहित कुछ लोगों ने कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कर उक्त भूमि को अपने नाम पर नामांतरण (म्यूटेशन) कराकर लंबे समय से उस पर कब्जा कर रखा है। इन दस्तावेजों को निरस्त करने की मांग को लेकर उन्होंने वर्ष 2025 में न्यायालय का रुख किया था। मामले के संदर्भ में न्यायालय द्वारा नियुक्त एडवोकेट कमीशनर रत्नदीप दत्ता आज (31-05-2026) मौके पर भूमि की वर्तमान स्थिति का निरीक्षण करने पहुंचे। लेकिन निरीक्षण के दौरान आरोपियों की ओर से कार्य में बाधा उत्पन्न किए जाने की शिकायत सामने आई है। आरोप है कि मौके पर मौजूद नजमुल हक, हिलाल उद्दीन, कमाल उद्दीन, राजीव हुसैन, बख्तियार हुसैन और साजिद अहमद ने कमीशन टीम के साथ असहयोगपूर्ण एवं आपत्तिजनक व्यवहार किया, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इसके कारण कमीशन टीम को निर्धारित कार्य पूरा किए बिना ही वापस लौटना पड़ा। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आरोपियों पर पहले भी क्षेत्र में कई भूमि कब्जे से संबंधित आरोप लगते रहे हैं।

काबुनी के सुपर कोच बने- एबी डी विलियर्स

● अब युवा खिलाड़ियों को मिलेगी एआई आधारित विश्वस्तरीय क्रिकेट ट्रेनिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। क्रिकेट ट्रेनिंग को नई पहचान देने वाला एआई आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म काबुनी ने आज पूर्व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान और ग्लोबल स्टार एबी डी विलियर्स को सुपर कोच नियुक्त करने की घोषणा की है। एबी डी विलियर्स का जुड़ना काबुनी के उस मिशन में एक और बड़ा कदम है, जिसका उद्देश्य हर स्तर के खिलाड़ियों तक वर्ल्ड -क्लास क्रिकेट कोचिंग पहुंचाना है। वे पहले से ही काबुनी सुपर कोच सौरव गांगुली और शेन वाटसन के साथ जुड़े हुए हैं। यह सहयोग काबुनी की अत्याधुनिक तकनीक और एबी डिविलियर्स के गहरे क्रिकेट अनुभव को एक साथ लाता है, जिससे उभरते क्रिकेटरों को डेटा आधारित जानकारी और वास्तविक खेल अनुभव का मजबूत संयोजन मिलेगा। भारत में 12 से 16 वर्ष के युवा खिलाड़ियों को जून में शुरू होने वाले एक नए राष्ट्रीय टूर्नामेंट के जरिए एबी डी विलियर्स की टीम के लिए खेलने का मौका जीतने का अवसर मिलेगा, जिसमें काबुनी की तकनीक का उपयोग किया जाएगा। काबुनी का प्लेटफॉर्म पारंपरिक नेट प्रैक्टिस को बदलने के लिए तैयार किया गया है। यह खिलाड़ी की मूवमेंट और बॉल ट्रैकिंग को रियल टाइम में ट्रैक करता है और उसे आसान व उपयोगी फीडबैक में बदल देता है। अपने खास '1% इम्प्रूवमेंट' मॉडल के जरिए यह सिस्टम छोटी लेकिन तुरंत की जाने वाली गलतियों को सुधारने पर ध्यान देता है, जिससे समय के साथ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बड़ा और प्रभावी सुधार देखने को मिलता है। वॉइस, वीडियो और विजुअल संकेतों को एक साथ जोड़कर काबुनी यह सुनिश्चित करता है कि खिलाड़ियों को मिलने वाला फीडबैक केवल आंकड़ों तक सीमित न रहे, बल्कि आसान, समझने योग्य और तुरंत लागू करने लायक हो। खासतौर पर युवा और सीखने वाले खिलाड़ियों के लिए यह तकनीक ट्रेनिंग को अधिक प्रभावी और सहज बनाती है। एबी डी विलियर्स के जुड़ने से काबुनी ने विश्वस्तरीय क्रिकेट समझ और आसान तकनीक को साथ लाने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। कंपनी का मानना है की हाई -क्वालिटी क्रिकेट कोचिंग केवल पेशेवर खिलाड़ियों या बड़े प्रशिक्षण केंद्रों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हर खिलाड़ी तक आसानी से पहुंचनी चाहिए। काबुनी के सुपर कोच एबी डी विलियर्स ने कहा, 'मेरे लिए क्रिकेट हमेशा खुद को अभिव्यक्त करने का माध्यम रहा है, फिर बात समस्याओं का नया समाधान खोजने की हो या अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने का तरीका ढूंढने की। काबुनी जो बना रहा है, वह बेहद रोमांचक है क्योंकि यह युवा खिलाड़ियों को अपने खेल को समझने, अपनी सहज क्षमता पर भरोसा करने और अपने तरीके से आगे बढ़ने का मंच देता है। मैं अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों की मदद करने के लिए उत्साहित हूं, ताकि वे अलग सोच सकें, खुलकर खेल सकें और अपनी पूरी क्षमता को पहचान सकें। 'काबुनी के संस्थापक और सीईओ निमेश पटेल ने कहा, 'एबी डी विलियर्स क्रिकेट जगत के

सबसे खास खिलाड़ियों में से एक हैं। खेल को नए तरीके से देखने और दबाव में शानदार प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता, काबुनी के विजन से पूरी तरह मेल खाती है। हम ऐसा प्लेटफॉर्म बना रहे हैं जो खिलाड़ियों को सिर्फ तकनीकी रूप से ही नहीं, बल्कि रचनात्मक और मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है। एबी के साथ जुड़ने से हम अगली पीढ़ी को क्रिकेट सीखने और अनुभव करने का तरीका बदलने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठा रहे हैं।' यह सहयोग काबुनी के विश्वस्तरीय क्रिकेट अनुभव और एआई आधारित कोचिंग के मेल को और मजबूत बनाता है। यह प्लेटफॉर्म बायोमैकेनिक्स, मोशन ट्रैकिंग और परफॉरमेंस डेटा का उपयोग कर खिलाड़ियों को उनकी जरूरत के अनुसार रियल टाइम फीडबैक देता है। अपने '1% बेटर' सिद्धांत के जरिए यह खिलाड़ियों को छोटे-छोटे सुधार करने में मदद करता है, जो समय के साथ उनके प्रदर्शन में बड़ा बदलाव लाते हैं। काबुनी अपने विस्तार को लगातार आगे बढ़ा रहा है और एबी डी विलियर्स के जुड़ने से कंपनी की उस महत्वाकांक्षा को और मजबूती मिली है, जिसके तहत वह तकनीक आधारित ग्लोबल क्रिकेट कोचिंग इकोसिस्टम तैयार करना चाहती है। यह ऐसा मंच होगा जो जमीनी स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ियों और शीर्ष स्तर के प्रदर्शन के बीच की दूरी को कम करेगा।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन की बहुआयामी पहल

● देशभर सहित असम में ऑनलाइन सेमिनार व जागरूकता अभियान आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: असम, 31 मई : विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 के अवसर पर यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम 'अनमास्किंग द अपील - काउंटरिंग निकोटीन एंड टोबैको एडिक्शन' पर केंद्रित इन अभियानों का उद्देश्य युवाओं एवं आम नागरिकों को तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराना रहा।

तमिलनाडु में जन-जागरूकता अभियान

तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में संगठन के सदस्यों द्वारा घर-घर जाकर जागरूकता पत्रक वितरित किए गए। इस दौरान स्थानीय नागरिकों को तंबाकू सेवन से होने वाले कैंसर, हृदय रोग तथा फेफड़ों से संबंधित गंभीर बीमारियों के बारे में जानकारी दी गई।

पश्चिम बंगाल में ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी

पश्चिम बंगाल में विद्यासागर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, दार्जिलिंग की एनएसएस इकाई के सहयोग से ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया और तंबाकू विरोधी शपथ भी ली। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

असम में ऑनलाइन सेमिनार

इसी क्रम में असम के एस. के. रॉय कॉलेज, काटलीछड़ा की एनएसएस इकाई के सहयोग से 'अनमास्किंग द अपील - काउंटरिंग निकोटीन एंड टोबैको एडिक्शन' विषय पर ऑनलाइन सेमिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष राघब चंद्र

नाथ, उपाध्यक्ष सुश्री गोस्वामी, महासचिव मृणाल जोशी, सचिव मानसी शर्मा, विद्यासागर कॉलेज ऑफ एजुकेशन के निदेशक डॉ. बिजय कुमार झा तथा एस. के. रॉय कॉलेज, काटलीछड़ा के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिमान भट्टाचार्जी उपस्थित रहे। यूथक्रिया की सचिव मानसी शर्मा ने कहा कि तंबाकू केवल एक लत नहीं बल्कि एक धीमा जहर है। संगठन का लक्ष्य युवाओं को जागरूक कर एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि 'चूज़ हेल्थ, नॉट टोबैको' का संदेश हर घर तक पहुंचाना ही संगठन का संकल्प है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने गूगल पर ठोका 30 लाख का जुर्माना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सैनिटरीवेयर कंपनी हिंदवेयर के ट्रेडमार्क के दुरुपयोग के मामले में गूगल पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने कहा कि गूगल केवल एक निष्क्रिय मध्यस्थ नहीं है, बल्कि विज्ञापन प्रणाली में सक्रिय भागीदार के रूप में काम करता है और व्यावसायिक लाभ भी कमाता है।

न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने कहा, गूगल का यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता कि वह केवल मंच उपलब्ध कराता है और इसलिए सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत उसे कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। गूगल की भूमिका केवल तकनीकी मंच तक सीमित नहीं है, क्योंकि वह कीवर्ड सुझाता है, विज्ञापनों की रैंकिंग तय करता है और उससे राजस्व भी अर्जित करता है। कोर्ट ने माना कि किसी पंजीकृत ट्रेडमार्क का कीवर्ड के रूप में इस्तेमाल भी विज्ञापन में उपयोग की श्रेणी में आता है, भले ही वह विज्ञापन के पृष्ठ में दिखाई न दे। कोर्ट ने कहा कि गूगल ट्रेडमार्क वाले शब्दों को

विज्ञापनदाताओं को सुझाव और बिक्री करता है, जिससे उसे सीधा व्यावसायिक लाभ होता है। हाई कोर्ट ने गूगल को हिंदवेयर, हिंदवेयर सैनिटरीवेयर और उससे जुड़े अन्य नामों का कीवर्ड के रूप में उपयोग करने से रोक दिया। अदालत ने दोनों मामलों में 15-15 लाख रुपये, कुल 30 लाख रुपये का हर्जाना हिंदवेयर के पक्ष में देने का आदेश दिया है। यह राशि गूगल को आठ सप्ताह के भीतर जमा करनी होगी। मामला हिंदवेयर लिमिटेड द्वारा 2013-14 में दायर दो वाणिज्यिक मुकदमों से जुड़ा है। कंपनी का आरोप था कि जब कोई उपयोगकर्ता गूगल पर हिंदवेयर सर्च करता था, तो प्रतिद्वंद्वी कंपनियों के प्रायोजित विज्ञापन सबसे ऊपर दिखाई देते हैं।

पानी से बेंगलूर जा रही युवक रस्ते से लापता

असम धेमाजी। सीसीबरगांव तहचिल के श्रीपाणि के रूपहीपथार गांव के जान बरुआ नौकरी के तालाश में गत 25 तारीख को विकाश चेतिया के साथ बेंगलुरु के लिए ट्रेन से धेमाजी से निकलते हैं। 28 तारीख को जान बरुआ के पत्नी को विकाश चेतिया ने फोन कर जान के लापता होने की खबर देता है। खबर मिलते ही परिवार के लोगों ने तुरंत स्थानीय पुलिस के गठना को अवगत करते हैं। घटना पर पुलिस के जांस पड़ताल कर रही है। अगर किसी व्यक्ति को जान के बारे में कुछ अनुसंधान मिले तो नजदीकी के पुलिस स्टेशन ओर परिवार के 9864541904 मोबाइल नंबर पर संपर्क के लिए परिवार के लोगों ने अपील की।

साइबर फ्रॉड में अब ग्राहक की लापरवाही मानी जाएगी- दिल्ली हाईकोर्ट

● दिल्ली हाई कोर्ट ने साइबर धोखाधड़ी पर अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि बैंक की चेतावनियों के बावजूद संदिग्ध लिंक पर क्लिक करके पैसे गंवाने वाले ग्राहक स्वयं जिम्मेदार होंगे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। साइबर धोखाधड़ी से जुड़े एक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि बैंक द्वारा जारी की जाने वाली सुरक्षा चेतावनियों के बावजूद, धोखेबाजों द्वारा भेजे गए संदिग्ध लिंक दबाने के कारण पैसे गंवाने वाले ग्राहक इसके लिए स्वयं जिम्मेदार होते हैं। हाई कोर्ट ने निर्णय सुनाया है कि अगर कोई खाताधारक संदिग्ध लिंक न दबाने की बैंक की चेतावनियों पर नजरअंदाज करता है, तो उसे लापरवाह कहा जा सकता है। पीठ ने कहा कि डिजिटल बैंकिंग और साइबर धोखाधड़ी के संदर्भ में लापरवाही तब भी हो सकती है जब कोई ग्राहक, बार-बार दी गई सलाह और सुरक्षा चेतावनियों के बावजूद, संदिग्ध या अनजान लिंक पर जाता है। इससे उसके बैंकिंग विवरण की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। अदालत ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) द्वारा 2017 में बैंकों को जारी एक सर्कुलर को रिकार्ड पर लिया। इसके तहत अगर भुगतान के दौरान ग्राहक द्वारा विवरण साझा करने में लापरवाही बरती जाती है तो साइबर धोखाधड़ी से हुए नुकसान की जिम्मेदारी ग्राहक की होगी। ऐसे मामलों में, ग्राहक को बैंक को धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने तक पूरा नुकसान खुद उठाना पड़ता है। अदालत ने उक्त टिप्पणी और आदेश स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआइ) की अपील याचिका पर दिया। एक शिक्षाविद ने अपने एसबीआइ के बचत खाते ने साइबर ठगी के कारण 2.60 लाख रुपये गंवा दिए थे। मैसेज के माध्यम से मिले लिंक पर क्लिक करने के कारण दो बार में उनके पैसे कट गए। एसबीआइ ने पैसे देने से यह कहते हुए इन्कार कर दिया कि लेन-देन वैध लागिन विवरण का इस्तेमाल करके किए गए थे और बैंक ने ओटीपी भी भेजे थे ताकि यह पता चल सके कि पैसे ट्रांसफर करने का अनुरोध किया जा रहा है। आरबीआइ ने एसबीआइ के रुख से आंशिक रूप से सहमति जताई, लेकिन ग्राहक को ठगी से गई धनराशि का एक-तिहाई हिस्सा देने को कहा। हालांकि, पूरी राशि वापस पाने के लिए ग्राहक ने हाई कोर्ट का रुख किया और एकल पीठ ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। उक्त निर्णय को एसबीआइ ने चुनौती दी। एसबीआइ की अपील को स्वीकार करते हुए पीठ ने एकल पीठ के निर्णय को रद करते हुए माना कि ग्राहक यह साबित नहीं कर पाया कि बैंक ने आरबीआइ के नियामक सुरक्षा उपायों का पालन करने में कहां चूक की थी।

दिल्ली हवाई अड्डे पर पकड़ा गया 2.6 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा, तस्कर ने अपनाई नई तरकीब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आइजीआइ) हवाई अड्डे पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने बैंकाक से दिल्ली आए एक भारतीय यात्री को करीब 2.6 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाले हाइड्रोपोनिक गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। यह यात्री अपने सूटकेस में वैक्यूम सील पैकेट्स में यह हाइड्रोपोनिक गांजा छुपाकर लाया था। उसे टीम ने उस समय पकड़ा जब वह हवाई अड्डे की ग्रीन चैनल पार करने की कोशिश में था। वहीं मई माह में अब तक कस्टम ने तस्करी के चार बड़े मामलों को पकड़ा है, जिसमें कुल 103 किलोग्राम गांजा बरामद की है और पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। कस्टम अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई 29 मई को की गई। बैंकाक से इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-1064 द्वारा दिल्ली पहुंचे एक भारतीय यात्री पर अधिकारियों को शक हुआ। जैसे ही यात्री कस्टम के ग्रीन चैनल (जहां से बिना घोषित सामान वाले यात्री निकलते हैं) को पार कर आगे बढ़ा, सतर्क अधिकारियों ने उसे रोक लिया। जब यात्री के सूटकेस की गहनता से जांच की गई, तो वह सामान्य से काफी ज्यादा भारी महसूस हुआ। इसके बाद जब अधिकारियों ने सूटकेस की बारीकी से तलाशी ली, तो वे दंग रह गए। सूटकेस के ऊपरी और निचले हिस्सों को काटकर बेहद शातिराना तरीके से गुप्त कैविटी बनाई गई थी। इन गुप्त खानों को खोलने पर उनके अंदर से वैक्यूम-सील्ड दो पैकेट बरामद हुए, जिसमें हरे रंग का नशीला पदार्थ भरा था। जांच करने पर इसकी पहचान हाई क्वालिटी हाइड्रोपोनिक गांजे के रूप में हुई, जिसका कुल वजन 2.645 किलोग्राम पाया गया। कस्टम विभाग ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर नशीले पदार्थ को जब्त कर लिया है और आरोपी यात्री को हिरासत में ले लिया है। इस अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी रैकेट के पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसका पता लगाने के लिए मामले की आगे की जांच तेजी से की जा रही है।